भाद्र मास, कृष्ण पक्ष 20 वर्ष, अंक 311 पृष्ठ 8 मूल्य 1.00

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज से प्रकाशित

www.akhandbharatsandesh.net

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 05 नवम्बर 2021 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

क्रियायोग संदेश

क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान प्रयागराज

क्रिया योग: साँच (सच Truth) को आँच नहीं। आँच अज्ञानता (अविद्या Ignorance) समय, दूरी व सापेक्षता की अनुभूति है जो समस्त दुःखों का कारण है। अध्यात्मिक वैज्ञानिकों ने यह सिद्ध कर दिया है कि सामान्य तरीके से जीवन जीने पर सच की अनुभूति के लिए व्याधि रहित लगभग दस लाख वर्ष की आवश्यकता होती है, लेकिन क्रियायोग अभ्यास से सच की अनुभूति एक ही जन्म में सम्भव है।

1. प्राचीन उच्च मानव सभ्यता मे वर्णित यज्ञ, वर्तमान में विश्व विख्यात 'क्रियायोग' है।
2. क्रियायोग अभ्यास वेदपाठ है, पूर्ण ज्ञान की अनुभूति है।
3. क्रियायोग अभ्यास ईश्वर अनुभूति है।
4. क्रियायोग अभ्यास अतीत, वर्तमान व भविष्य से जुड़ना है।
5. क्रियायोग अभ्यास जीवन मृत्यु पर विजय है।

क्रियायोग से सभी प्रकार की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित।

10 मिनट का अभ्यास 20 वर्ष का विकास

अयोध्या की धारा में हुई त्रेता युग की अनुभूति

दुल्हन की तरह सजी राम की नगरी

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या की धरा पर जब पुष्पक विमान से प्रभु श्रीराम, मां सीता, अनुज लक्ष्मण और हनुमान के स्वरूप उतरे तो बिल्कुल त्रेता युग जैसी अनुभूति हुई। इस अद्भुत क्षण का गवाह बना हर कोई रोमांचित हो उठा। इस दौरान जय श्रीराम के उद्घोष से गुंजायमान आकाश से पुष्पों की वर्षा होती रही। बुधवार को रामकथा पार्क के प्रांगण में बनाए गए हेलीपैड पर दोपहर तीन बजे के करीब पुष्पक विमान रूपी हेलीकाप्टर उतरा। इसमें 14 वर्ष का वनवास काटकर अयोध्या लौटे प्रभु राम और सीता समेत अन्य स्वरूप विराजमान थे। यहां पहले से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भगवान के स्वरूपों की अगवानी के लिए मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने पुष्पक विमान से धरा पर उतरे प्रभु राम, लक्ष्मण, सीता और हनुमान के स्वरूपों का माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान आकाश से पुष्प वर्षा अनवरत होती रही।

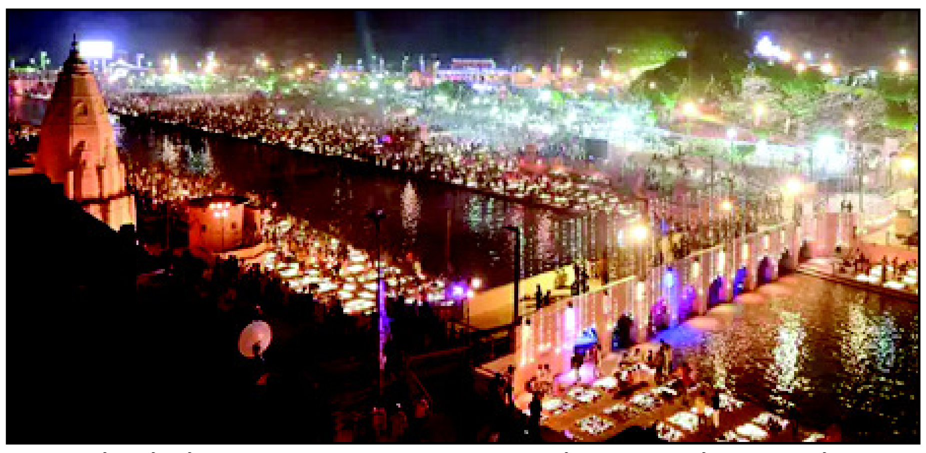

यहां पर भगवान के सभी स्वरूप रथ पर विराजमान हुए और उसके बाद मुख्यमंत्री खुद उन्हें लेकर रामकथा पार्क के मुख्य मंच की ओर रवाना हुए। करीब दस मिनट बाद प्रभु राम समेत अन्य स्वरूप मंच पर विराजमान हो गए। सबसे पहले गुरु वशिष्ठ के स्वरूप ने राजतिलक कर आरती उतारी। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने राजतिलक करते हुए सभी स्वरूपों को अपनी तरफ से भेंट प्रदान की। इसी कड़ी में केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी.किशन रेड्डी, उप मुख्यमंत्री केशव मौर्य, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह, जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह, विश्व हिन्दू परिषद के संरक्षक दिनेश, त्रिनिनाड व टुबैगो के उच्चायुक्त डॉ. रोजर गोपाल, वियतनाम के राजदूत फानशा चाऊ व केन्या के उच्चायुक्त ही विली वेट ने राज तिलक कर आरती उतारी।

अवकाश की सूचना

दीपावली के शुभ अवसर पर सभी पाठकों , अभिकर्ताओ , पत्र वितरकों एवं शुभचिंतकों को हार्दिक शुभकामनाएं इस अवसर पर अखंड भारत संदेश कार्यालय एवं प्रेस में दिनांक 5 नवंबर 2021 को अवकाश रहेगा ' अतः पत्र का अगला अंक 7 नवंबर 2021 को मिलेगा '

संपादक

देशभर में दीपावली की धूम, राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री समेत कई नेताओं ने देशवासियों को दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली(एजेंसी)। देशभर में आज दीपावली का त्योहार पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। देश में कोरोना माहमारी की रफ्तार धीमी पड़ने से लोगों त्योहार को लेकर उत्साह देखा गया लोग बाजारों में खरीददारी देखे गए हैं। हालांकि प्रदूषण को देखते हुए दल्लिी एनसीआर में इस बार पटाखों पर प्रतिबंध लगा हुआ है। इस अवसर राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, केन्द्रीय मंत्रियों और अन्य नेताओं ने देशवासियों को बुराई पर अच्छाई और अंधकार पर प्रकाश की जीत के प्रतीक इस पर्व पर सुख समृद्धि के लिए शुभकामनाएं दीं। प्रधानमंत्री मोदी ने दिवाली सेना के जवानों के साथ मनाने की परंपरा को जारी रखते हुए आज जम्मू-कश्मीर में नौशेरा सेक्टर में सैनिकों से मिले, उन्हें संबोधित किया और मिठाइयां

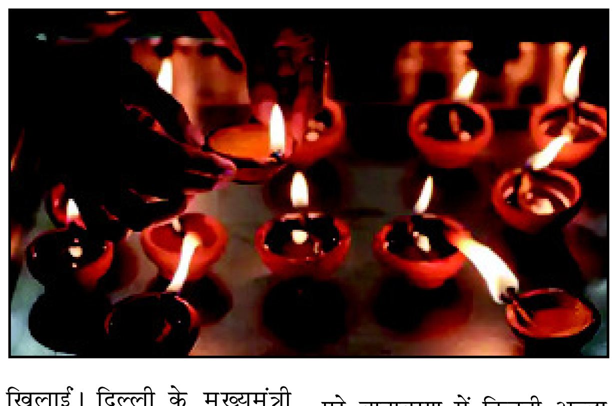

खिलाईं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आज शाम सात बजे राजधानी के अपने मंत्रिमंडल के सहयोगियों के साथ मिल कर त्यागराज स्टेडियम में समारोह पूर्वक दिवाली का पूजन करेंगे। टेलीविजन चैनल्स पर इस पूजन का सीधा प्रसारण किया जायेगा। केजरीवाल ने कहा है कि हम सब दल्लिी के दो करोड़ लोग अगर एक साथ मिलकर पूजन करेंगे, तो आप सोचें, पूरे वातावरण में कितनी अच्छा वाइब्रेशन होगा। मेरी आप सभी से गुजारिश है कि आप मेरे साथ पूजन कीजिएगा और हम सब लोग दल्लिी के मंगल की कामना करेंगे।

राष्ट्रपति कोविंद ने ट्विटर पर दीपावली की शुभकामना में कहा, 'दीपावली के शुभ अवसर पर मैं सभी देशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं।

पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क कटौती पर बोले अमित शाह- संवेदनशील निर्णय, आम आदमी को मिलेगी राहत

नयी दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कमी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एक बहुत ही संवेदनशील निर्णय है और इससे न केवल आम आदमी को राहत मिलेगी बल्कि मुद्रास्फीति में भी कमी आएगी। शाह ने कहा कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा शासित राज्य सरकारों ने भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों को और कम करके लोगों को अधिक राहत देने का सराहनीय काम किया है। शाह ने ट्वीट किया, ह्यह्यप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने दिवाली पर पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमशः 5 रुपये और 10 रुपये की कमी करके आम जनता को बड़ी राहत दी है ।शाह ने हिंदी में ट्वीट करके कहा, ह्यह्यअंतरराष्ट्रीय स्तर पर

कीमतों में बढ़ोतरी के बाद भी दी गई राहत बेहद संवेदनशील फैसला है। इसके लिए मैं मोदी जी को धन्यवाद देता हूं। गृह मंत्री ने कहा कि देश को प्रधानमंत्री के इस ह्यदिवाली उपहार से न सिर्फ आम आदमी को राहत मिलेगी, बल्कि महंगाई में भी कमी आएगी। केंद्र ने बुधवार को पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क में 5 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की, ताकि उपभोक्ताओं को ईंधन की रिकॉर्ड उच्च खुदरा कीमतों से राहत मिल सके। कई भाजपा शासित राज्यों के अलावा बिहार ने भी वैट दरों में कमी की जहां भाजपा सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा है। इससे उपभोक्ताओं को और राहत मिली।

औरैया को सीएम योगी देंगे बड़ी सौगात, 389 करोड़ की परियोजनाओं का शिलान्यास

औरैया (एजेंसी)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को औरैया जिले में 389 करोड़ रुपये की एक दर्जन से अधिक परियोजनाओं का शिलान्यास व लोकार्पण करेंगे। डीएम सुनील कुमार वर्मा ने गुरुवार को बताया कि योगी छह नवम्बर को जिले के दौरे पर आ रहे हैं। इस दौरान वह जिले में 280 करोड़ रुपये की लागत से पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा बनाए जा रहे राजकीय मेडिकल कालेज का शिलान्यास करेंगे। मेडिकल कालेज में प्रशासनिक ब्लॉक, एकेडमिक ब्लॉक, पांच सौ बेड का चिकित्सालय, शैक्षणिक सत्र 2022-23 से एमबीबीएस की 100 सीटों पर प्रवेश के अलावा लाइब्रेरी, मल्टीपरपज हॉल एवं जिम, 460 वेड क्षमता का छात्रावास, आवासीय भवन के अलावा प्ले ग्राउंड का निर्माण शामिल है।

सीएम केजरीवाल ने अलग अंदाज में मनाई दिवाली, त्यागराज स्टेडियम में कैबिनेट के साथ की पूजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया उनकी पत्नी सीमा सिसोदिया ने दिवाली के मौके पर त्यागराज स्टेडियम में आयोजित दिवाली पूजन कार्यक्रम में शामिल हुए। केजरीवाल सरकार ने इस बार दिल्ली की दिवाली एक नए अंदाज में मनाया। मुख्यमंत्री ने अपनी कैबिनेट और दिल्लीवासियों के साथ त्यागराज स्टेडियम में दिवाली पूजन कर दिल्ली के अंदाज में प्रभु श्रीराम का स्वागत किया। दिल्ली सरकार ने त्यागराज स्टेडियम में राम मंदिर की 30 फीट ऊंची और 80 फिट चौड़ी प्रतिकृति बनवाई थी, जहां मुख्यमंत्री ने अपने सभी मंत्रियों के साथ पूजा की। यहाँ

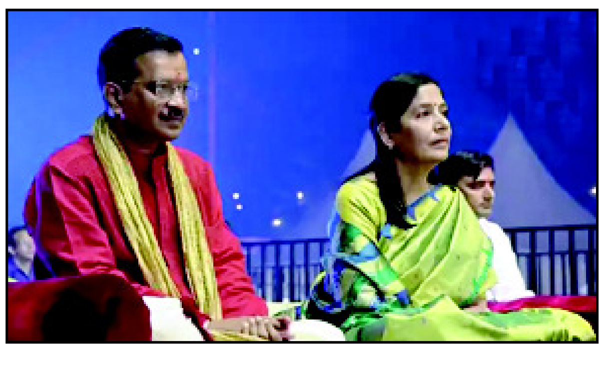

झंडेवालान मंदिर के पुजारी ने विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न कराई, जबकि प्रख्यात गायक अनुराधा पौडवाल ने भजन और गीता चंद्रन ने गणेश वंदना की प्रस्तुति दी।

यागराज स्टेडियम दिवाली के अवसर पर आज भगवान श्रीराम के स्वागत में रंग-बिरंगी रोशनी से नहाया हुआ था। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने पिछले वर्षों की तरह इस बार भी बढ़ते प्रदूषण को ध्यान में रखते हुए पटाखा रहित दिल्ली की दिवाली मनाने के लिए एक नए अंदाज में तैयारियां की थी। पूरे स्टेडियम को बहुत ही खूबसूरत तरीके से सजाया गया था। इस प्रतिकृति के समक्ष मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी कैबिनेट के साथ दिवाली पूजन की। दिवाली पूजन समारोह में कैबिनेट मंत्री गोपाल राय, सत्येंद्र जैन, कैलाश गहलोत, राजेंद्र पाल गौतम, इमरान हुसैन, दल्लिी विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल और विधायकों समेत अन्य गणमान्य शामिल हुए। प्रख्यात गायक अनुराधा पौडवाल ने भजन गाकर आरती संपन्न कराई। दिवाली पूजन समारोह के आखिर में रामायण पर आधारित एक खास प्रस्तुति भी दी गई। करीब 10 मिनट की एनीमेटेड वीडियो को प्रदर्शित कर भगवान श्रीराम से मिलने वाले प्रेरणा को अनुभव कराया गया।

केरल में फिर कोरोना विस्फोट, 24 घंटे में 7545 नए केस और 136 मौतों से हड़कंप

तिरुवनंतपुरम बेंगलुरु (एजेंसी)। त्योहारी सीजन में केरल में एक बार फिर से कोरोना विस्फोट हुआ है। केरल में कोरोना वायरस संक्रमण के 7,545 नए मामले सामने आए हैं और महामारी से और 136 संक्रमितों की मौत हो गई। वहीं, पड़ोसी राज्य कर्नाटक में कोविड-19 के 261 नए मामले सामने आए जबकि पांच और मरीजों की मौत हा गई। केरल सरकार ने तिरुवनंतपुरम में लेटेस्ट डेटा साझा कर बताया कि राज्य में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 49.95 लाख को पार कर गए हैं जबकि कुल मृतक संख्या 32,734 पहुंच गई है। सरकार की विज्ञप्ति में बताया गया है कि बुधवार से 5,963 और मरीज संक्रमण से उबरे हैं जिसके बाद संक्रमण मुक्त होने वाले लोगों की तादाद 48,87,350 पहुंच गई है। विज्ञप्ति में बताया गया है कि राज्य में 74,552 मरीज संक्रमण का इलाज करा रहे हैं। विज्ञप्ति के मुताबिक, 136 मौतों में से 55 पिछले कुछ दिनों में हुई हैं, जबकि 21 मौतों की पिछले साल जून तक दस्तावेजीकरण की कमी के कारण पुष्टि नहीं हो सकी थी। उसमें बताया गया है कि केंद्र के नए दिशा-निदेर्शों और उच्चतम न्यायालय के निदेर्शों के बाद अपील के आधार पर 60 मौतों को कोविड से हुई मृत्यु माना गया है ।वहीं बेंगलुरु में कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य विभाग ने बताया कि कर्नाटक में बृहस्पतिवार को 261 नए मामले सामने आए और पांच संक्रमितों की मौत हुई। इसके बाद कुल मामले बढ़ कर 29,89,275 पहुंच गए हैं जबकि कुल मृतक संख्या 38,0985 हो गई है। विभाग के मुताबिक, दिन में 296 संक्रमितों को अस्पतालों से छुट्टी दी गई जिसके बाद संक्रमण मुक्त होने वाले मरीजों की संख्या 29,72,884 हो गई है। उसने बताया कि राज्य में 8267 मरीज संक्रमण का इलाज करा रहे हैं।

गुजरात में भूकंप से डोली धरती, दहशत के बाद घरों से निकले लोग, ढट मोदी ने सीएम से फोन पर की बात

नई दिल्ली(एजेंसी)। गुजरात में आए भूकंप के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से फोन पर बातचीत की है। गुजरात के द्वारका में भूकंप के बाद पीएम मोदी ने राज्य के सीएम से बातचीत कर हालात के बारे में जानकारी ली। गुजरात में दोपहर करीब 3.15 मिनट पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के अनुसार भूकंप की तीव्रता 5.0 थी। बताया जा रहा है कि वहां धरती डोलने के बाद लोग घबरा कर घरों से निकल गये। जानकारी के मुताबिक, भूकंप के कारण भारत व पाकिस्तान बॉर्डर के दोनों तरफ असर दिखा है। भूकंप के केंद्र पर 10 किलोमीटर नीचे सेंटर था। भूकंप का केंद्र द्वारका से 223 किलोमीटर और अहमदाबाद से 453 किलोमीटर की दूरी पर था।

बता दें कि गुजरात से पहले आज सुबह मणिपुर के मोइरांग में भूकंप के झटके आए। रिक्टर पैमाने पर इनकी तीव्रता 3.5 मापी गई। नेशनल सेंटर फार सीस्मोलाजी (एनसीएस) ने बताया कि भूकंप मोइरांग से 52 किलोमीटर और 57 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिण पूर्व की गहराई पर आया। एनसीएस की ओर से बताया गया है कि भूकंप गुरुवार सुबह 6 बजे भूकंप के झटके आए

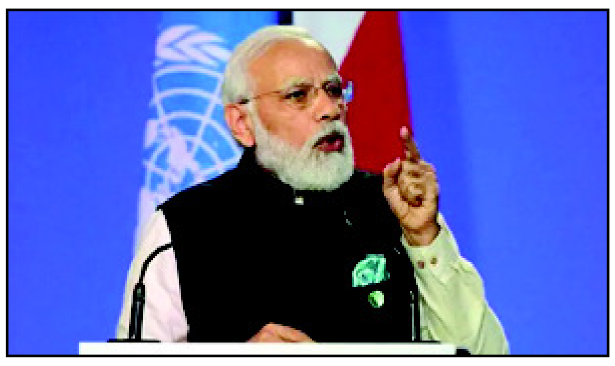

भूकंप आने की वजह धरती के अंदर प्लेटों के टकराने को माना जाता है। धरती के भीतर सात प्लेट लगातार घूमती रहती हैं। जब ये प्लेटें किसी जगह पर आपस में टकराती हैं, तो वहां एक फॉल्ट लाइन जोन बनता है। इससे सतह के कोने मुड़ते हैं और वहां दबाव बनकर प्लेट्स टूटने लगती हैं। इन प्लेट्स के टूटने से अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है, जिसकी वजह से धरती हिलती है।

पेट्रोल-डीजल पर राहत, मुफ्त राशन योजना को एक्सटेंशन, विधानसभा चुनावों पर है भाजपा की नजर

नई दिल्ली(एजेंसी)। अगले साल उत्तर प्रदेश समेत 5 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) समेत अन्य कई दलों के लिए उत्तर प्रदेश एक अहम राज्य है। खासकर पश्चिम बंगाल में मिली हार के बाद भाजपा काफी सतर्क हो गई है और भविष्य में होने वाले चुनाव को लेकर पार्टी कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। महंगाई वो मुद्दा है जिसपर भाजपा इस वक्त जनता के गुस्से का सबसे ज्यादा सामना कर रही है। दीपावली के मौके पर आम आदमी को पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दामों पर आंशिक राहत देकर बीजेपी ने जनता के इस आक्रोश को कम करने की कोशिश की है। पेट्रोल और डीजल पर लगने वाले वैट में कमी करने के बाद अब भाजपा को महंगाई के मुद्दे पर थोड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने के केंद्र सरकार के ऐलान के बाद तुरंत योगी सरकार ने राज्य में तेल के दामों में कटौती कर दी। इतना ही नहीं यूपी सरकार ने तो मुफ्त राशन योजना को भी होली तक बढ़ाने का ऐलान कर दिया है। बुधवार को यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केंद्र सरकार के मुफ्त राशन योजना को राज्य सरकार ने होली यानी अगले साल मार्च तक चालू रखने का फैसला किया है। इस योजना का ऐलान कोरोना काल में किया गया था।

बीजेपी सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि जनता के लिए इन राहतों का ऐलान अगले साल होने वाले चुनावों को ध्यान में रखकर किया गया है। चुनाव से पहले यह बीजेपी की एक बड़ी रणनीति है। मुफ्त राशन योजना के तहत 15 करोड़ लोगों को हर महीने लाभ मिलता है। उम्मीद है कि यूपी में अगले साल मार्च में ही चुनाव होंगे। ऐसे में इस योजना के आगे बढ़ाए जाने को लेकर पार्टी नेताओं का मानना है कि यह एक सोची-समझी रणनीति है जिसका फायदा आने वाले चुनावों में पार्टी को होगा।

हालांकि, कई चुनावी विश्लेषकों और का यह भी मानना है कि यह जरुरी नहीं कि तेल के बढ़े दामों का असर उप-चुनाव में बीजेपी के खिलाफ पड़ा है।

मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर चाचा शिवपाल को तोहफा देंगे अखिलेश

इटावा (एजेंसी)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव के जन्मदिन पर चाचा शिवपाल सिंह यादव को तोहफा देंगे। सैफई में पत्रकारों से बातचीत में अखिलेश ने कहा कि चाचा की पार्टी प्रसपा से भी गठबंधन करेंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि लखीमपुर में मारे गए किसानों की याद में पार्टी ने स्मृति दिवस मनाया। सपा का हर कार्यकर्ता किसानों की याद में इस दिवाली एक दीपक जलाएगा।

देरशाम परिवार संग सैफई में पैतृक आवास दिवाली मनाने पहुंचे सपा मुखिया ने बुधवार को पार्टीजनों से मुलाकात कर दीपावली की बधाई दी। इस बीच मीडिया के सवालों के जवाब में अखिलेश ने कहा कि वह नेताजी (मुलायम सिंह) के जन्मदिन 22 नवंबर को चाचा शिवपाल सिंह यादव को बड़ा तोहफा देंगे। सपा में प्रसपा के विलय पर अखिलेश ने कहा कि विलय किसी पार्टी का नहीं होगा। सपा विधानसभा चुनाव छोटे दलों के साथ मिलकर लड़ेगी और चाचा की पार्टी से भी गठबंधन करेंगे। कहा कि चाचा को जितना वह सम्मान देंगे उतना कोई नहीं दे पाएगा।

मऊ में ओमप्रकाश राजभर ने ऐतिहासिक कार्यक्रम कर सपा के साथ रहने की घोषणा की है, इसी तरह अन्य कई छोटे दल मिलकर चुनाव लड़ने को तैयार हैं। अखिलेश ने प्रदेश सरकार पर निशाना साधा कि महंगाई से हर वर्ग परेशान हैं। सरकार किसानों को खाद तक नहीं दे पा रही।

खबर संक्षेप

बेली अस्पताल में डॉक्टर से मारपीट, हंगामा

प्रयागराज। तेज बहादुर सप्रु (बेली) अस्पताल में लगे दिव्यांग शिविर में एक शख्स ने डॉक्टरों से मारपीट कर हंगामा किया। आर्थोपेडिक सर्जन के समय से शिविर में न पहुंचने पर उस शख्स ने हंगामा करते हुए मारपीट की। इससे शिविर में अफरातफरी मच गई। मामले में बेली अस्पताल के उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. बीएन गुप्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोप है कि मारपीट करने वाले शख्स ने कई सीनियर डॉक्टरों से बदसलूकी की। शासन के निर्देश पर बेली अस्पताल में दिव्यांय शिविर लगाकर जांच की जा रही थी। इसी दौरान रमाकांत नामक शख्स पहुंचा। डॉक्टरों का आरोप है कि आर्थोपेडिक सर्जन के न आने पर कहासुनी के बाद उसने सड़क जाम कर प्रदर्शन की बात कही। इसके बाद मारपीट करने लगा। तहरीर पर कई डॉक्टरों के नाम शामिल किए हैं, जो बदसलूकी के शिकार हुए और घटना के गवाह हैं। मामले में डॉ. बीएन गुप्ता की तहरीर पर शुतुरखाना, तेलियरगंज के रमांकात को नामजद किया गया है। कैंट पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

खुशियों एवं दीप दान से मनाया गया दीपावली पर्व

अखंड भारत संदेश

सहसों। दीपावली यानी प्रकाश उत्सव खुशियों के साथ त्यौहार को सादगी से मनाएं । ब्लाक प्रमुख फूलपुर विपेन्द्र सिंह पटेल ने गुरुवार को आरडी सिंह महाविद्यालय बसमहुआ में कर्मचारियों एवं शिक्षकों को दीपावली के त्यौहार पर संबोधित करते हुए कहा कि त्यौहार को सादगी से मनाएं पटाखे एवं प्रदूषण से दूर रहकर खुशियों एवं सुख समृद्धि के इस त्यौहार को अपने परिजनों के साथ मिलकर मनाएं उन्होंने कहा दीपों का त्यौहार जोकि अंधेरे को दूर कर उजाला पैदा करने वाला त्यौहार है । लक्ष्मी गणेश सहित अन्य देवी-देवताओं का पूजन अर्चन कर के सुख समृद्धि की कामना करते हुए आशीर्वाद लें। इस अवसर पर भूमि विकास बैंक के अध्यक्ष वीरेन्द्र बहादुर सिंह ने कहा दीपावली का त्यौहार घर में खुशियों के साथ मिट्टी के दीपक में जलाएं घर में उजाला फैलाएं किसी भी कीमत पर बच्चों को पटाखे से दूर रखें। संभव हो तो साधारण पटाखा ही खरीदे।इस अवसर पर ब्लाक प्रमुख विपेन्द सिंह पटेल ने उपस्थित लोगों को हार्दिक शुभकामना देते हुए दीपावली का उपहार देकर सम्मानित भी किया।

दीपावली पर्व पर सुबह से शाम तक बाजारों में पूजा की तैयारी को लेकर लोगों की दुकानों पर भीड़ लगी रही।

दुकानों पर रही दिन भर रही भीड़ बाजार रहे गुलजार

सहसों। दीपावली जोकि इसे प्रकाश उत्सव पर्व भी कहा जाता है लोग बड़े खुशियों के साथ परिवार, इष्ट मित्र, मोहल्ले वालों के साथ इस प्रकाश पर्व को बड़े ही उत्साह वर्धन के साथ मनाते हैं। ऐसे में लोग हफ्तों से अपने घरों की साफ सफाई, दुकानों की सफाई करने के बाद इस पर्व पर लोग सिद्धिविनायक भगवान श्री गणेश एवं माता महालक्ष्मी सहित श्री हरि भगवान विष्णु के साथ इस पर्व पर पूजन करके मनाते हैं। ऐसे में लोग बाजारों से लाई लावा, गट्टी एवं चीनी के खिलौने, माला फूल धूप दीप इत्यादि खरीद कर विधि विधान से परिवार की सुख शांति एवं समृद्धि के देवता गणेश एवं धन की वर्षा करने वाली माता लक्ष्मी की प्रेम एवं श्रद्धा से पूजन आरती करके मनवांछित फल की कामना भक्तों द्वारा किया जाता है। ऐसी मान्यता है कि यह पर्व भगवान श्री राम के लंकापति रावण पर विजय हासिल करने और 14 साल का वनवास पूरा करके घर लौटने की खुशी में मनाया जाता है। जब भगवान राम देवी सीता और लक्ष्मण के साथ अयोध्या लौटे थे तो अयोध्या की प्रजा ने दीप जलाकर उनका स्वागत किया था इसीलिए हिंदू पंचांग के अनुसार हर वर्ष कार्तिक मास कृष्ण पक्ष की अमावस्या पर घरों में दीप जलाकर लोग दीपावली के साथ-साथ प्रकाश पर्व भी मनाते हैं। गुरुवार को बाजारों में लोगों की खरीदारी करने का हुजूम दिखा। मिठाई की दुकान, माला फूल की दुकान, किराने की दुकान पर भी भीड़ दिखाई दिया। लोग महंगाई को पीछे छोड़ते हुए इस दीपावली के त्यौहार के लिए खरीदारी करते नजर आए बाजारों में ग्राहकों के चहल कदमी से बाजार गुलजार रहा। इस त्यौहार पर क्षेत्र के प्रमुख सहसों बाजार सहित रामनगर, चिरौरा, चंदौहां कस्बा में लोग खरीदारी करते एवं दुकानों में भीड़ नजर आई लोग हर्षोल्लास के साथ त्यौहार को मनाने के लिए खरीदारी की और बड़ी सादगी के साथ त्यौहार को मनाया।

न्यूज झरोखा

प्रभारी पनासा पुलिस चौकी अजीत कुमार ने गरीब बच्चों को दिए उपहार

करछना। थाना क्षेत्र के पनासा चौकी प्रभारी अजित कुमार गुप्ता के द्वारा क्षेत्र के अलग-अलग गांव में जाकर गरीब परिवारों के बच्चों एवं बूढ़ी महिलाओं को दीपावली के मौके पर मिठाई एवं पूजा की सामग्री भेंट की वही छोटे-छोटे बच्चों को पैरों में चप्पल पहनाई बच्चों के साथ खुशीया बांटी ,और गरीब परिवारों के बीच दीपावली त्यौहार मनाया ।

गरीब बच्चों के साथ करछना पुलिस

करछना। पुलिस क्षेत्र के गांवो में गरीब परिवार के बच्चों को खाने का सामान, खिलौना, पटाखे भेंट कर दीपावली मनाई उनके द्वारा दिये गये उपहार पाकर गरीब बच्चों के चेहरे पर मुस्कान देखने को मिला।

दीपावली त्यौहार उपहार वितरण करते ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि

करछना। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधिमिथिलेश द्विवेदी ने जगौती प्रधान दीपनारायण सिंह के अलावा क्षेत्र पंचायत सदस्यों के घर-घर जाकर दीपावली पर्व पर उपहार देकर सम्मानित किया।

सरायममरेज थानाध्यक्ष अमित राय ने जरूरत मंदों के बीच मनाई दिवाली

प्रतापपुर। सरायममरेज थानाध्यक्ष अमित राय द्वारा नेक एवं पुनीत जनहितैषी कार्य करते हुए वारी, गौहरपुर की दलित बस्तियों एवं जरुरतमंदों के बीच तथा बच्चों, महिलाओं एवं बुजुर्गों को मिठाई वितरित किया।

दीपावली के अवसर समाज सेवियों ने गरीबों को बांटे उपहार

करछना। तहसील क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर गरीबों असहाय और बुजुर्ग गणमान्य लोगों को समाज सेवियों ने बडी संख्या में गरीबों को त्योहार से समबन्धित खाद्यान्न मिठाई, खिलौना, शाल, कम्बल व गिफ्ट स्वरूप उपहार से देकर उनकों सहयोग के साथ सम्मानित किया और उनके बीच हमदर्दी जताई, इसी क्रम में प्रेम चंद आदिवासी प्रधान ग्राम पंचायत डीहा विकास खंड करछना ने गांव के गरीबों मिठाईयों के साथ त्योहार पर उपहार वितरण किए ।और लोगों को माला पहनाकर स्वागत किया ।साथ में मौजूद जिला पंचायत सदस्य डाक्टर विजय बाबू यादव उर्फ पप्पू, समाज सेवी दूध नाथ यादव व गणमान्य लोग शामिल रहे।

`अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद धनूपुर क्षेत्र के सुप्रसिद्ध कुंदौरा महादेव मंदिर धाम पर दीपावली की पूर्व संध्या पर अमृत महोत्सव के 75 वें वर्ष पर 1100 दीप जलाये साथ में एबीवीपी छात्रगण

1100 दीपदान करके एबीवीपी ने कुंदौरा महादेव धाम में मनाई दीपावली

अखंड भारत संदेश

धनूपुर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद प्रयाग जिला द्वारा धनूपुर क्षेत्र के सुप्रसिद्ध मंदिर कुंदौरा महादेव धाम पर दीप पर्व दीपावली की पूर्व संध्या पर आजादी अमृत महोत्सव के 75 वें वर्ष पर 1100 सौ दीपदान किया गया।इस अवसर पर प्रधान कुंदौरा हरिप्रसाद मिश्रा उर्फ गिल्लू ने दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला संयोजक एबीवीपी शिव कुमार तेजस्वी, जिला सोशल मीडिया प्रमुख विवेक स्वामी, भाजयुमो शोध प्रमुख सुमित तिवारी, बालकृष्ण शुक्ला, जवाहरलाल गौड़, रामेश्वर तिवारी, आशीष त्रिपाठी, शिवा पाण्डेय, जवाहर गोड़, सौरभ तिवारी, दुर्गेश शुक्ला, शिवम तिवारी, सत्यम, छोटू गुप्ता, जतिन पाण्डेय, शुभम यादव सहित सैकड़ो लोगो ने विश्व कल्याण के लिये दीप जलाया एवं एक दूसरे को दीप पर्व दिवाली की शुभकामनाएं दिया।

करछना थाने में महिला सिपाहियों ने रंग बिरंगी बनाई रंगोली।

श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 8 नवंबर से प्रारंभ

जंघई। साप्ताहिक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ 8 नवंबर से एक बजे से चार बजे तक जंघई बाजार हंडिया रोड पेट्रोल पंप के नजदीक प्रारंभ होगी।कथा व्यास प्रयाग पीठाधीश्वर शक्तिपीठ चक्र सुदर्शनपुरी प्रयागराज रामानुजाचार्य हरिप्रपन्नाचार्य महाराज होगें यह जानकारी मुख्य यजमान रामराज मिश्रा एवं प्रेमलता मिश्रा ने दिया है।

करछना थाने में महिला सिपाहियों ने रंग बिरंगी रंगोली बना कर दीपावली पर्व मनाया

करछना। दिपावली पर्व पर ड्यूटी के साथ-साथ परिजनों के साथ त्योहार मनाने से वंचित महिला सिपाहियों ने थाने पर ही रंगोली बना कर थाना परिसर को सजा कर दीपावली मनाई इस मौके पर थाना करछना परिसर में महिला पुलिसकर्मियों के द्वारा बनाई गई रंग बिरंगी रंगोली पर दीपावली की शुभकामनाएं दी इस मौके पर थाना प्रभारी टीकाराम वर्मा एस आई विनीत यादव , एस आई नन्दन सिंह , हे का सहनवाज खां , का , शुनील कुमार गुप्ता, आनंद सिंह , कमलेश यादव , हे का राजीव यादव , अनूप साहू , धनीता निषाद , रेखा सिंह, हिना , सुमन यादव दीपिका शोनी , आरती सिंह अंजनी सिंह के साथ रंगोली और माटी के दीप के द्वारा थाने परिसर को सजाया गया।

मिठाई, पटाखे के साथ मनाई दीपावली

खुशियां लेकर मलिन बस्ती पहुंची पुलिस, चहक उठे बच्चे

शंकरगढ़। थानाध्यक्ष शंकरगढ़ बृजेश सिंह ने दीपावली गरीब व मलिन बस्ती के लोगों के साथ मनाई। भारी संख्या में मिठाई, पटाखे और मोमबत्ती लेकर पहुंचे एसओ ने इसका वितरण बच्चों और बड़ों के बीच करवाया और सभी से कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए दीपावली मनाने की अपील की। शंकरगढ़ थानाध्यक्ष बृजेश सिंह, एसआई ऋतुराज सिंह, संतोष कुमार तिवारी, कांस्टेबल इंद्रजीत कुशवाहा, महिला कांस्टेबल विजयलक्ष्मी सहित अन्य स्टाफ ने शंकरगढ़ क्षेत्र के गरीब, मलिन बस्तियों में जाकर बच्चों के साथ दीपावली मनाई। इस बीच छोटे-छोटे बच्चे, बुजुर्ग, महिलाओं, पुरुषों को मिठाई, पटाखे वितरित किए। पुलिस के हाथों मिठाई और पटाखे पाकर बच्चे खुशी से निहाल हो उठे। कुछ बच्चों ने पुलिस कर्मियों के साथ फोटो भी खिंचवाई।

मदर टेरेसा फाउंडेशन की ओर से मिट्टी के दिए का किया गया मुफ्त वितरण

प्रयागराज। हनुमान मंदिर सिविल लाइन के पास दीपावली के अवसर पर मदर टेरेसा फाउंडेशन ने गरीब बेसहारा लोगो को मिट्टी के दिए निशुल्क वितरण किया गया फुटपाथ और अगल-बगल बैठे हुए लोगों को निशुल्क मिट्टी के दिए व मिठाई वितरण किये गये जिससे वह दीपावली मे दिए जला सके,अपने घरो को जगमगा सके। सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद गुफरान ने कहा? भारत में बने समान को खरीदें उसे इसतेमाल करने से छोटे से बड़े कारोबारीयों को मुनाफा होगा और मिट्टी के दिए बनाने वाले कुम्हारो को फायदा होगा, सामाजिक कार्यकर्ता निशा मिश्रा व टोनी शर्मा ने चाइनीज समान को छोड़कर भारत के समान का इस्तेमाल करने की अपील किया। कार्यक्रम में मोहम्मद गुफरान, निशा मिश्रा, टोनी शर्मा,फजल आदि मौजूद थे।

कैंट थाना क्षेत्र के गंगानगर इलाके में महिलाओं को दौड़ाकर पीटा

प्रयागराज। कैंट थाना क्षेत्र के गंगानगर इलाके में युवकों ने एक शख्स को जमकर पीटा। बीच-बचाव करने आई युवक की पत्नी और भाभी को भी जमकर पीटा गया। चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग पहुंचे तो हमलावर भाग निकले। गंगानगर के जितेंद्र कुमार ने कैंट थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। मामले में आलोक राज, राहुल, राजू और अज्ञात पर केस दर्ज हुआ है।

नाबालिग लड़की का अपहरण करने वाले को सरायममरेज पुलिस ने किया गिरफ्तार

अखंड भारत संदेश

अपहरणकर्ता को पुलिस ने किया गिरफ्तार

प्रतापपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज, पुलिस अधीक्षक गंगापार, क्षेत्राधिकारी हंडिया द्वारा चलाए जा रहे अभियान रोकथाम के तहत सरायममरेज थानाध्यक्ष अमित राय के नेतृत्व में सरायममरेज पुलिस टीम उपनिरीक्षक राजेश सिंह द्वारा मय हमराह कांस्टेबल विजय सिंह, महिला कांस्टेबल आरती कुमारी द्वारा पीड़ित अपहृता कुमारी काजल पुत्री राम सिंह उम्र 13 वर्ष निवासी सेमरी प्रयागराज की बरामदगी करके उपरोक्त प्रकरण में विभिन्न धाराओं एवं पास्को एक्ट से संबंधित वांक्षित अभियुक्त मानसिंह यादव पुत्र समर बहादुर यादव उम्र 23 वर्ष निवासी सेमरी सरायममरेज को प्रतापपुर बस स्टैंड से गिरफ्तार करके अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया।

डिप्टी एसपी शिवम मिश्र को मिली तैनाती, घर में हर्ष का माहौल

क्षेत्रवासियों ने दी बधाई, बांटी गई मिठाइ

शंकरगढ़। शंकरगढ़ क्षेत्र के रानीगंज के रहने वाले डिप्टी एसपी शिवम मिश्र को पहली तैनाती मिलने पर घर में जश्न का माहौल है। दीपावली की खुशियां दोगुनी हो गईं। पासिंग आउट परेड से घर लौटे शिवम मिश्र को बधाई देने वालों का तांता लग गया। आस पास के लोगों ने भी शिवम मिश्र को बधाई दी। परिवार के लोगों ने मिठाई बांटकर बेटे की तैनाती का जश्न मनाया। शंकरगढ़ के रानीगंज रहने वाले राकेश मिश्र के बेटे शिवम मिश्र का चयन डिप्टी एसपी पद पर हुआ था। पासिंग आउट परेड के बाद उन्हे सुल्तानपुर जनपद में व्यावहारिक प्रशिक्षण की पोस्टिंग मिली है। दीपावली के मौके पर शंकरगढ़ पहुंचे शिवम मिश्र का जोरदार स्वागत किया गया। नगर पंचायत समेत आस पास के समस्त लोगों ने खुशी का इजहार किया है। पिता राकेश मिश्र, मां कौशिल्या मिश्रा, भाई सत्यम मिश्र, भाभी दिव्या मिश्रा, बहन नेहा मिश्रा, केके मिश्र, विनय समदरिया, राजकुमार तिवारी, समेत तमाम लोगों ने खुशी जताई है। पिता ने बताया कि दीपावली के बाद चले जाएंगे।बताते चलें कि उत्तर प्रदेश को कुल 72 नये डिप्टी एसपी मिले हैं। जिसमें से चार डिप्टी एसपी प्रयागराज जनपद के हैं।शंकरगढ़ के रहने वाले डिप्टी एसपी शिवम मिश्र को सुल्तानपुर जिले में पहली तैनाती मिली है।

मांगलिक गीतों के साथ कृष्ण जन्मोत्सव पर झूमें भक्त श्रोता

अखंड भारत संदेस

करछना। श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर खुशी में खूब झूमे भक्त श्रोता लोग। वहीं गाजे बाजे के साथ खूब बजी बधाइयां । लोगों की ओर से पुष्प वर्षा भी की गई। महिलाओं की ओर से सु मांगलिक भक्ति गीतों के साथ सोहर गीतों की प्रस्तुतियों के साथ नृत्य भी किया गया । वहीं लोगों की ओर से पटाखे भी फोड़े गए। करछना के कुंजल वैश्य का पूरा गांव में जन कल्याण हेतु चल रही साप्ताहिक संगीतमय श्रीमद् भागवत ज्ञान कथा के चौथे बृहस्पतिवार के दिन कथा के व्यास पीठ पर कथावाचक के रूप में विराजमान श्री धाम वृंदावन से पधारे शैलेंद्र जी महाराज ने कृष्ण जन्म की कथा सुना कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया । उन्होंने जन्मोत्सव के बाद बाल कृष्ण भगवान की अद्भुत अनेक लीलाओं का गुणगान भी किया। संयोजक मंडल की ओर से कथा मंडप को आकर्षक ढंग से सजाया गया था । जो कि लोगों को आकर्षित करती रही। वही कलाकारों की ओर से बाल कृष्ण भगवान की सुंदर व आकर्षक रूप से झांकी भी निकाली गई। मुख्य श्रोता यजमान एडवोकेट जनार्दन प्रसाद शुक्ल पत्नी सुशीला देवी ने बाल कृष्ण भगवान की आरती भी उतारी। साथ ही साथ पूजा कुलगुरू पं शिव शंकर मिश्र समेत कथा व्यास के अलावा विद्वान जनों का माल्यार्पण कर स्वागत व अभिनंदन किया । कथा के संयोजक व व्यवस्थापक भाजपा किसान मोर्चा यमुनापार के जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ल ने सभी भक्त जनों के प्रति आभार जताया । इस मौके पर भारी संख्या में भक्त लोग मौजूद रहे।मिठाइयां व पटाखें, फल, लाई, चिवरा, बिस्किट आदि सामग्री बांटते हुए दीपावली मनाई। सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं दिया थानाध्यक्ष के नेक एवं जनहित कार्यो की लोगों ने प्रशंसा किया।

खबर संक्षेप

दीपावली पर्व पर डेंगू के 23 मिले मरीज

प्रयागराज। दिवाली के दिन भी डेंगू के मरीजों का मिलना जारी रहा। गुरुवार को जिले में 23 मरीज नए मिले। अब तक 775 लोग बीमारी की चपेट में आ चुके हैं। मेजा, तेलियरगंज में दो- दो मरीज मिले हैं। इसके अलावा एक दर्जन से अधिक इलाकों में मरीज मिले हैं। जुलाई से शुरू हुआ बीमारी का प्रकोप अब तक शहर में 546 लोगों को चपेट में ले चुका है जबकि गांव में 229 लोग बीमार हुए हैं।

शाइन सिटी घोटाला : रडार पर आसिफ व जसीम के मददगार, तलाश शुरू कौन कर रहा था फंडिग

प्रयागराज। 60 हजार करोड़ की ठगी करने वाली कंपनी के एमडी आसिफ नसीम और डिप्टी डायरेक्टर मो. जसीम की गिरफ्तारी के बाद अब उनके मददगारों की तलाश शुरू हो गई है। आर्थिक अपराध शाखा(ईओडब्ल्यू) अब उन लोगों का पता लगाने में जुट गई है जिन्होंने फरारी के दौरान दोनों की मदद की। उन्हें फंड मुहैया कराया और अलग-अलग जगहों पर ठिकाना बनाने में भी उसका सहयोग किया। आसिफ व जसीम दो दिन पहले ही गिरफ्तार किए गए थे। दोनों से पूछताछ में खुलासा हुआ था कि वह काफी दिन प्रयागराज में रहे और अलग-अलग शहरों में भी फरारी काटी। इस दौरान न सिर्फ वह ऐशोआराम की जिंदगी बिताते रहे बल्कि बाहर के शहरों में रहने के दौरान बेरोकटोक शहर में भी आते-जाते रहे। अपने घरवालों के भी संपर्क में रहे। सूत्रों का कहना है कि दोनों से पूछताछ में यह भी बात सामने आई है कि फरारी के दौरान कई लोगों ने उनकी मदद की। उन्हें आर्थिक मदद तो दी ही, अन्य तरह से भी मदद पहुंचाई। इसमें अलग-अलग शहरों में उनके रहने के इंतजाम से लेकर अन्य व्यवस्थाएं शामिल रहीं। ऐसे में अब कंपनी से जुड़े मुकदमों की जांच में जुटी ईओडब्ल्यू की टीम उन मददगारों का भी सुराग हासिल करने में जुट गई है।

सूत्रों का कहना है कि दोनों आरोपियों के उन नंबरों का डिटेल खंगाला जा रहा है जिनका उपयोग उन्होंने फरारी के दौरान किया। इन नंबरों की सीडीआर निकलवाई जा रही है। इसके बाद उन नंबरों के जरिए उन लोगों तक पहुंचा जाएगा जो लगातार दोनों के संपर्क में थे।

मानव स्वरूप के ब्रह्मदंड में स्थित सात ज्ञान केंद्रों के बारे में बताते क्रियायोग गुरु

ब्रह्मगुफा में स्थित सप्त ज्ञान केंद्रों के अलौकिक प्रकाश के दर्शन करते परम पूज्य गुरुदेव

अंत:करण के ज्ञान दीपों को जागृत करने का पावन पर्व है दीपावली : स्वामी श्री योगी सत्यम

श्री श्री महावतार बाबा वट वृक्ष के आध्यात्मिक परिसर में क्रियायोग ध्यान को दीपावली पर्व के रूप में मनाया

अखंड भारत संदेश

झूंसी प्रयागराज। गुरुवार को झूंसी स्थित क्रियायोग आश्रम में अंतर्राष्ट्रीय क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम जी ने दीपावली के अवसर पर श्री श्री महावतार बाबा वट वृक्ष के आध्यात्मिक परिसर में क्रियायोग ध्यान को दीपावली पर्व के रूप में मनाया, इस दौरान देश विदेश से आए हुए साधकों ने भाग लेकर शारीरिक मानसिक एवं आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किए। श्री श्री महावतार बाबा वटवृक्ष के आध्यात्मिक परिसर में अंतरराष्ट्रीय क्रियायोग गुरु स्वामी श्री योगी सत्यम ने साधकों को यह भी बताया कि दीपावली पर्व भगवान श्री राम की रावण पर विजय के बाद अयोध्या आगमन पर मनाए जाने वाले उत्सव का प्रतीक है ' क्रियायोग ध्यान के द्वारा अंतः करण में सुषुप्त ज्ञान दीपों के जागृत होने पर स्पष्ट ज्ञान हो जाता है कि दीपावली पर्व आत्मज्ञान की तरफ यात्रा करने पर प्रकट होने वाली विभिन्न अवस्थाओं के प्रतीक है ' कली काल में मानव मस्तिष्क के ज्ञान का लोप होने पर लोग जप, तप, व्रत पूजा, साधना तथा समस्त त्योहारों को वास्तविक आध्यात्मिक स्वरूप को विस्मृत कर गए और केवल उनके प्रतीकात्मक स्वरूप जिसे कर्मकांड कहा गया है, का अभ्यास करने लगे ' आदिशंकराचार्य ने स्पष्ट लिखा है कि कर्मकांडों से अज्ञान का विनाश नहीं होता है , क्योंकि कर्मकांड और ज्ञान दोनों समानार्थी है ' ज्ञान प्राप्ति के लिए अनुभूतिजन्य ज्ञान की आवश्यकता है ' क्रियायोग ध्यान के द्वारा अनुभवजन्य ज्ञान की प्राप्ति होती है जिससे समस्त त्योहारों के वास्तविक स्वरूप का ज्ञान होता है।

सप्त ज्ञान केंद्रों के अलौकिक ज्ञान को जागृत करते क्रियायोग के साधक

घट गए पेट्रोल व डीजल के दाम अभी और घटने की है उम्मीद

प्रयागराज। केंद्र सरकार के द्वारा पेट्रोल और डीजल पर से एक्साइज ड्यूटी घटाने के चलते प्रयागराज में पेट्रोल के दाम में पांच रुपये और डीजल के दाम में दस रुपये कमी कर दी गई है। नई कीमतें रात 12 बजे से कम करने का फरमान था लेकिन अधिकांश पेट्रोल पंपों पर सुबह छह बजे के बाद नए मूल्य पर तेल दिया गया। बताया गया कि रोज सुबह छह बजे ही अपडेट होता है।प्रयागराज में पेट्रोल करीब 106.99 और डीजल करीब करीब 98.87 रुपये लीटर बिक रहा था। केंद्र सरकार की ओर से एक्साइज ड्यूटी घटाने के बाद पेट्रोल 100.99 और डीजल का दाम करीब 87.20 रुपया हो गया है। बताया जा रहा है कि यूपी सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर से वैल्यू एडेड टैक्स (वैट) भी हटा सकती है। यदि वैट घटा तो पेट्रोल-डीजल के दाम एक-एक रुपये और घटेंगे। पेट्रोल डीजल का दाम बढ़ने के कारण महंगाई काफी हद तक बढ़ रही थी। ट्रांसपोर्ट के खर्च के अलावा सवारी वाहनों ने भी यात्रियों से अधिक भाड़ा वसूलना शुरू कर दिया था। इससे लोगों की जेब ज्यादा ढीली हो रही थी। मालवाहनों द्वारा भाड़ा बढ़ाए जाने के कारण अनाज, फल, सब्जी, दूध, अंडा सहित बाहर से आने वाले सामानों की कीमत में लगातार बढ़ोत्तरी हो रही थी। उम्मीद की जा रही है कि पेट्रोल डीजल के दाम घटने पर लोगों को कुछ सहूलियत मिलेगी और खाद्य पदार्थों, वाहन भाड़ा और सब्जी के दामों पर कुछ हद तक नियंत्रण लगेगा।

छिबैयां में निकला अजगर, वन विभाग ने पकड़ा

प्रयागराज। स्थानीय थाना क्षेत्र के छिबैयां गांव में बुधवार की देर रात अजगर के निकलने से ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। अजगर निकलने की सूचना पुलिस कंट्रोल रूम को दी गई। सूचना पर पहुंचे वन कर्मी अजगर को पकड़कर ले गए।छिबैयां गांव निवासी गुलाब तिवारी के घर के बगल लोगों ने अजगर देखा तो हड़कंप मच गया। सूचना पर डायल 112 में तैनात हेड कांस्टेबल जीवन लाल और चालक राजेश दुबे मौके पर पहुंचे। हेड कांस्टेबल जीवन लाल ने सूचना वन विभाग को दी। वन दरोगा इंद्रेश भारतीय वनकर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। वनकर्मियों ने अजगर को पकड़ा और बोरे में भरकर ले गए। आसपास के लोगों के अनुसार अजगर करीब पांच फीट लंबा था। वह गंगा कछार की ओर से गांव में आया था।

दूसरे की जगह परीक्षा देने वाले सभी आरोपित गए जेल

प्रयागराज। एसएससी की सीएचएसएल 2019 के स्किल टेस्ट में दूसरों की जगह परीक्षा देने वाले सभी 21 आरोपितों को गुरुवार को पुलिस ने जेल भेज दिया। शहर के धूमनगंज, पूरामुफ्ती, फाफामऊ और सरायइनायत थाने में एक युवती समेत 21 लोगों को दूसरों की जगह परीक्षा देते बुधवार को पकड़ा गया था। हालांकि इसमें से एक की भूमिका को लेकर जांच चल रही है। ऐसे में युवती समेत 20 आरोपितों को गुरुवार दोपहर बाद जेल भेजा गया। रात में पुलिस अधिकारियों ने इन आरोपितों से पूछताछ की। सभी के खिलाफ संबंधित थानों में गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। पूछताछ में सामने आया है कि इनमें से कई के रिश्ते यूपी और बिहार के सॉल्वर गैंग से हैं। कई ने रुपये लेकर इस कारनामे को अंजाम दिया। दूसरे की जगह परीक्षा दिलवाने का ठेका लेने वालों के नाम भी पुलिस को पता चले हैं। पुलिस टीमें अब उनकी तलाश में जुट गई हैं। कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) की कंबाइंड हायर सेकेंडरी लेवल एग्जाम (सीएचएसएल) 2019 का स्किल टेस्ट बुधवार को तीन पाली में कराया गया था।

तीन दिनी प्रवास पर पहुंचे डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, कार्यकताओं को दी बधाई

कार्यकर्ताओं से मिलते उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य गुरुवार की शाम 5:30 बजे सड़क मार्ग से लखनऊ से प्रयागराज पहुंचे। वह यहां तीन दिन तक प्रवास करेंगे। रास्ते में लालगंज, फाफामऊ और तेलियरगंज आदि स्थानों पर पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने स्वागत किया। डिप्टी सीएम का काफिला सीधे सर्किट हाउस पहुंचा जहां एकत्र कार्यकताओं को उन्होंने दीपावली की बधाई दी। उसके बाद दिवाली पूजन के लिए अल्कापुरी स्थित अपने आवास चले गए। स्वागत करने वालों में सांसद केशरी देवी पटेल, विधायक विक्रमाजीत मौर्य, महानगर अध्यक्ष गणेश केसरवानी, काशी क्षेत्र उपाध्यक्ष अवधेश गुप्ता, पूर्व विधायक दीपक पटेल, सुबोध सिंह, रवि केसरवानी आदि रहे। शुक्रवार सुबह नौ बजे मनकामेश्वर मंदिर में पूजन अर्चन करने के बाद आदि शंकराचार्य के आगमन स्थल पुरानी झूंसी स्थित वैदिक पाठशाला जाएंगे। शाम को महाकाली पूजा महोत्सव में शमिल होंगे। शनिवार को भी कई कार्यक्रमों में शामिल होगे।

10 साल के मासूम की गला रेत कर हुई हत्या, घर में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। 10 साल के बच्चे की गला रेतकर हत्या कर दी गई। उसका शव गुरुवार को खनीनार नहर की पुलिया के पास मिला। कहा जा रहा है कि बच्चा अपने मानसिक विक्षिप्त पिता को ढूंढने गया था। जानकारी पर पहुंची पुलिस ने शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। परिजनों ने बच्चे की बलि देने की बात कही है।

मामला सोरांव थाना क्षेत्र का है। यहां के गधिना गांव में मो. वकील अहमद अपने दो बेटे व दो बेटियों के साथ रहता है। वह मानसिक रूप से पीड़ित है। हालांकि, वह मऊआइमा के एक पावरलूम में मजदूरी करता है। वकील बुधवार को गांव में एक क्लीनिक में दवा लेने गया था। शाम तक वह नहीं लौटा। इस पर परिवार वालों ने पुत्र रहीम को तलाश में भेजा।

रोते हुए परिजनों ने बताया हमारे बच्चे की दे दी गई बली

` पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद परिजन

शव से कुछ दूर पर मिला चाकू

रहीम शाम 4 बजे डॉ. लोहार का पूरा की ओर साइकिल से गया, लेकिन देर शाम तक नहीं लौटा। इस पर परिवार वाले दोनों को ढूंढने लगे। गुरुवार सुबह करीब 6 बजे राम नगरी उमरी खनीनार नहर पुलिया के पास बच्चे का शव मिला। शव से कुछ दूर पर एक चाकू भी मिला, जिसे फोरेंसिक टीम ने परीक्षण के लिए भेज दिया। लोगों का कहना है कि सब्जी काटने वाला चाकू लग रहा है। उनका कहना है कि चाकू देखकर यह लगता है कि हत्या करने वाला प्रोफेशनल कातिल नहीं था।पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों में दिखा रोष। पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे परिजनों और ग्रामीणों में दिखा रोष।परिवार वालों ने कहा- बच्चे की बलि देने के लिए की गई हत्या बच्चे की हत्या आखिर कौन कर सकता है? यह सवाल सभी की जबान पर था। परिवार के पास बहुत ज्यादा जमीन-जायदाद नहीं है। न ही परिजनों की किसी के साथ दुश्मनी है। परिवार वालों ने कहा है कि बलि के लिए भी हत्या की जा सकती है। इन लोगों ने मांग की है कि आसपास के तांत्रिकों से पूछताछ की जाए। हो सकता है कि इससे हत्यारे तक पुलिस के हाथ पहुंच जाए। उधर, रहीम की साइकिल भी अभी तक बरामद नहीं हुई है। पुलिस भी इसे ढूंढ रही है। सोरांव थाना इंस्पेक्टर का कहना है कि अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच की जा रही है।

मंत्री नंदी और मेयर ने गरीब बच्चों को करवाई शॉपिंग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी और महापौर अभिलाषा गुप्ता ने गुरुवार को शहर दक्षिणी विधानसभा क्षेत्र के मलिन व दलित बस्तियों के 350 से अधिक गरीब और अनाथ बच्चों के साथ दीपावली का त्योहार मनाया।

बच्चों को सिविल लाइंस स्थित एक मॉल में शॉपिंग करवाई। एक एक बस्ती में कार भेजकर बच्चों को मॉल में बुलवाया। जरुरतमंद बच्चों को कपड़े के साथ ही जूते-चप्पल, खिलौने व गरीब महिलाओं को तोहफे में साड़ियां दी। दिवाली के लिए आतिशबाजी और मिठाईयां भी बच्चों को दिलवाई गई जिसे पाकर बच्चे खिलखिला उठे। मंत्री नंदी ने कहा कि अपने देश, प्रदेश के साथ ही जनपद व क्षेत्र को आर्थिक रूप से मजबूत करने, गरीब परिवारों में खुशियां बिखेरने के लिए वोकल फॉर लोकल को अपनाना बहुत जरूरी है।

गरीब बच्चों को शॉपिंग कराने पहुंचे मंत्री व मेयर

जूनियर हाईस्कूलों में शिक्षकों के रिक्त पदों के संबंध में मांगी जानकारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। अशासकीय सहायता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों में सहायक अध्यापक और प्रधानाध्यापक के रिक्त पदों के संबंध में जानकारी मांगी है। इसकी जानकारी एक सप्ताह के भीतर निदेशालय की वेबसाइट पर उपलब्ध करानी है। इस कार्य में किसी तरह की शिथिलता न बरतने की चेतावनी दी गई है। अशासकीय सहायकता प्राप्त जूनियर हाईस्कूलों में सहायक अध्यापक और प्रधानाध्यापक पद के लिए भर्ती प्रक्रिया चल रही है। इसके लिए सचिव परीक्षा नियामक प्राधिकारी की ओर से लिखित परीक्षा भी कराई जा चुकी है।अपर शिक्षा निदेशक बेसिक ललिता प्रदीप ने सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को पत्र लिखा है कि पूर्व में उपलब्ध कराए गए अधियाचन के परीक्षणोंपरांत प्रदर्शित रिक्तियों के सापेक्ष निर्धारित पारूप में अधियाचन विद्यालयवार/ वर्गवार/ आरक्षण वार / विषयवार सृजित पदों के सापेक्ष विवरण तैयार कर इस आशय से प्रेषित किया जा रहा है कि अपने कार्यालय में उपलब्ध अभिलेखों तथा संस्था के अभिलेखों से मिलान करते हुए अपने जनपद में उपलब्ध रिक्तियों का पुनः परीक्षण कर लें। ताकि चयनित अभ्यर्थियों को कार्यभार ग्रहण कराने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। साथ ही जिस प्रारूप में आपको सूचना प्रेषित की जा रही है, उसी प्रारूप में रिक्तियों का मिलान कर साफ्ट कापी में अपने हस्ताक्षरयुक्त और एक्सलशीट में हार्ड कापी में सूचना तैयार कर एक सप्ताह के भीतर निदेशालय के ईमेल पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। इसके अलावा आपके जनपद से संबंधित सलंग्न सूची में कौन-कौन से विद्यालय उच्चीकृत है। सलंग्न सूची में प्रदर्शित रिक्ति के प्रति यदि किसी प्रकार का वाद न्यायालय में लंबित है तो उसकी स्पष्ट सूचना दें।

गढ़वा प्रधान पति ने गरीब बस्ती में जाकर मनाई दीपावली

अखंड भारत संदेश

सैदाबाद। गुरुवार को गढ़वा प्रधान पति अश्वनी त्रिपाठी ने ग्राम पंचायत क्षेत्र में आने वाले एक सलाम बस्ती में बच्चों के बीच में जाकर मिष्ठान और पटाखे वितरण किए , जैसे ही बच्चों ने पटाखे को प्रधान के हाथों से पाया चेहरे पर मुस्कान खिल उठे तथा खेलने कूदने में मस्त हो गए ' इस सराहनीय कार्य से बस्ती के लोगों ने प्रधान पति अश्वनी त्रिपाठी को आशीर्वाद के स्वरूप में पुनः प्रधान बनने की आशीर्वाद दे दिए ' तथा बस्ती के लोगों ने प्रधान पति को इस सराहनीय कार्य के लिए धन्यवाद भी दिए। वही ग्राम पंचायत गढ़वा के कुछ मोहल्लों के लोगों ने प्रधान पति को देखा तो अपनी-अपनी समस्याओं से भी अवगत कराएं तथा समस्याओं की जानकारी होते ही अश्वनी त्रिपाठी ने समस्या का समाधान करने का आश्वासन भी दिया।

शाम होते ही घर व व्यापारिक प्रतिष्ठान हुए जगमग

मनचाहा वसूला गया फूलों का दाम, पटाखों के दुकान रही फीकी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। दीपावली की शाम ढलते ही पूरा शहर जगमग हो उठा। ज्यादातर घरों व व्यवसायिक प्रतिष्ठानों पर आकर्षक झालरें जगमगा उठी। ऐसा लगा कि पूरे शहर का अंधेरा मिट चुका है और सब कुछ जगमग है। इसके अलावा दिन भर बाजारों में फूल माला, लाई गट्टा, मिठाई व पटाखों की दुकानों पर भीड़ रही। घरों में गणेश व लक्ष्मी की पूजा के लिये दिन भर तैयारी होती रही। वैसे मारवाड़ी समाज तीन बार पूजा करता है। दोपहर, शाम व रात में मां सरस्वती की पूजा की जाती है।

नगर के श्याम बिहारी गली में दीपावली के दिन महिलाएं पूजा अर्चन करती देखी गई। ज्योति पर्व दीपावली जगमग दीपों के साथ बृहस्पतिवार को धूमधाम से मनाई गई। दिवाली का पर्व धूमधाम से मनाने के लिए शहर और गांवों में दिनभर खरीदारी का दौर चलता रहा। शाम को घर आंगन, खेत-खलिहान में दीप जलाकर मां लक्ष्मी और गणेश का आह्वान किया गया। इससे पहले घरों की मुंडेर और कोनों की साफ-सफाई करने के साथ ही रंगोली सजाई गई। आकर्षक झालरों से भी सजावट की गई। रंग-बिरंगी विद्युत झालरों से सजी इमारतें दुल्हन सरीखी नजर आ रही थीं। ज्यादातर जगहों पर सजावट के लिए चाइनीज झालर का ही इस्तेमाल किया गया। घरों और प्रतिष्ठानों को प्राकृतिक के साथ ही कृत्रिम फूलों से भी आकर्षक ढंग से सजाया गया था। शहर के पंजाबी मार्केट, विवेक नगर, बलीपुर, अजीत नगर में घरों को ऐसा सजाया गया था, कि जैसे रात्रि की बेला नहीं, दिन की चकाचौंध हो। पर्व को लेकर लोगों में उत्साह देख गया। शाम होते ही पंचमेवा, फल, मिठाई का भोग लगाकर मां लक्ष्मी और भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजन अर्चना की गई। पूजन-अर्चन में महिलाओं ने शामिल होकर मां लक्ष्मी के मस्तक पर सिंदूर का टीका लगाकर प्रसाद स्वरूप अपनी मांग में लगाया। उन्होंने परिवार और पति की सलामती की प्रार्थना की। इस मौके पर कई जगह लोगों ने व्रत रखा और भजन गाए।

रोशनी से नहाया बेल्हा शहर, घर में पूजा अर्चना करती महिलाएं व फूलों की खरीदारी करती युवती

पटाखों की कम दिखी दुकानों

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। इस बार पटाखों की दुकानों बाजार में कम दिखाई पड़ी। बहुत तेज आवाज में और बहुत दूर जाने वाले पटाखे दुकानों पर नहीं दिखाई दिये। बताया जाता है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर पुलिस भी पटाखे की दुकानों की निगरानी करती रही। बच्चे ज्यादा पटाखों के शौकीन होते हैं। यही कारण था कि पटाखा खरीदने के लिये बच्चों की भीड़ ज्यादा दिखाई दी। बता दें कि तीन दिन पहले बेगम वार्ड में अवैध पटाखे का भण्डारण पकड़ा गया था। इससे पटाखे के दुकानदार सहमे हुए दिखाई दिये और साधारण पटाखों को ही बेंचना उचित समझा।

दीपावली पर मंदिर हुए जगमग, बाजारों मे रौनक

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दीपावली के पर्व पर जहां बाजारो मे रौनक देखी गई। वहीं बाबा घुइसरनाथ धाम समेत मन्दिरों मे बुधवार की शाम से ही श्रद्धालुओं मे उत्साह देखा गया। दीपावली की सुबह से ही श्रद्धालु बाबा धाम मे दर्शन पूजन मे रमे दिखे। वहीं श्रद्धालुओं ने देवाधिदेव महादेव तथा श्रीराम दरबार समेत विभिन्न देवी देवताओं के समक्ष दीप जलाकर कल्याण की कामना की। नगर के हरिहरमंदिरम तथा बड़े हनुमानजी के मंदिर व प्राचीन शिव मंदिर को भी आकर्षक विद्युत छटा से प्रकाशमान किया गया है। मंदिरो मे फूलों की भी आकर्षक साज सज्जा को श्रद्धालु अपलक निहारते दिखे। घरों तथा प्रतिष्ठानों मे भी मंगलदीप की जगमगाहट देखी गयी। दीपावली का पर्व होने के कारण नगर चौक पर दिन भर यातायात व्यवस्था को लेकर भी पुलिस हलाकान दिखी। प्रतिष्ठानों मे लोग खरीददारी करने मे भी तल्लीन दिखे। वहीं दीपावली पर नगर पंचायत की कार्यदायी संस्था द्वारा नगर एवं विभिन्न वार्डो मे स्वच्छता का विशेष अभियान चलाया गया। नगर पंचायत अध्यक्ष अनीता द्विवेदी ने स्वच्छताकर्मियों को सम्मानित कर हौसला आफजाई की। कार्यक्रम की अध्यक्षता ईओ सुभाषचंद्र सिंह व संयोजन चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी ने किया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों को भी भ्रमण कर शांति और व्यवस्था के प्रबंधन मे मशक्कत करते देखा गया।

50-50 रुपये में बिके गेंदे की फूल की मालाएं, कमल का फूल नदारद

अखंड भारत संदेश

दिवाली के दिन भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की पूजा के लिए कमल का फूल खरीदने निकले लोग खूब ह्यफूलह्ल बने। शहर में गेंदा के फूल की बाजार सजी रही, मगर गुलाब और कमल के पुष्प की कमी रही। कमल की जगह विक्रेता कोकाबेली (क्वीन) का फूल 50-50 रुपये में बेचते नजर आए। उधर गेंदे के फूल से बनी मालाओं के भी दाम आसमान छूते रहे। प्रकाश पर्व दिवाली पर बाजारों में लाखों रुपए के फूल का कारोबार हुआ। फूल बाजार में गुलाब और कमल के पुष्प की काफी कमी रही। शहर के कुछ चुनिंदा दुकानों पर ही वह फूल नजर आए, हालांकि गेंदा का फूल प्रचुर मात्रा में था। गेंदे के फूल से बनी एक साधारण माला 30-60 रुपये में बिकी। फूल व्यापारियों की मानें तो जिले में लगभग दस लाख रुपये से अधिक फूल का कारोबार हुआ।

सेवानिवृत्त कैशियर को दी गई विदाई

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। नगर स्थित जिला सहकारी बैंक लिमिटेड की स्थानीय शाखा मे सेवानिवृत्त कैशियर संतोष श्रीवास्तव का मंगलवार को समारोहपूर्वक सम्मान किया गया। वक्ताओं ने संतोष श्रीवास्तव के जिला सहकारी बैंक लिमिटेड प्रतापगढ़ की कई शाखाओं में दिये गये योगदान की सराहना की। वहीं कहा कि शासकीय सेवा के साथ संतोष ने ओजकवि के रूप में भी लालगंज क्षेत्र का मान बढ़ाया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ शाखा प्रबंधक आलोक कुशवाहा ने संतोष को अंगवस्त्रम एवं संविधान निमार्ता डा. भीमराव आंबेडकर का चित्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर सचिव, धीरेन्द्र प्रताप सिंह, हरिकेश पांडेय, ज्ञानेंद्र प्रताप सिंह, रामराज दूवे, अनिल मौर्य, चंद्रपाल यादव, आशीष मौर्य, राधेश्याम पांडेय, रतन सिंह, नन्हें यादव, राजकिशोर पांडेय आदि रहे। कार्यक्रम का संचालन पवन सिंह ने किया।

नवम्बर माह में चलेगा विशेष पुनरीक्षण अभियान, तिथियां जारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्टेज्ट के सभागार में विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रम सम्बन्धी महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुई जिसमें मतदाता जागरूकता कार्यक्रमों पर विशेष जोर देने के साथ ही 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं, दिव्यांग तथा मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में शामिल किये जाने के सम्बन्ध में चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शानुसार पोलिंग बूथों पर 07 नवम्बर दिन रविवार, 13 नवम्बर दिन शनिवार, 21 नवम्बर दिन रविवार एवं 28 नवम्बर दिन रविवार को विशेष पुनरीक्षण अभियान की तिथियां निर्धारित की गयी है। दावे और आपत्तियां 30 नवम्बर तक प्राप्त की जायेंगी, दावें और आपत्तियों का निस्तारण 20 दिसम्बर 2021 तक तथा मतदाता सूची का अंन्तिम प्रकाशन दिनांक 05 जनवरी 2022 को किया जायेगा। जिलाधिकारी ने कहा कि विशेष पुनरीक्षण अभियान के तहत जिन लोगों ने 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर ली है नये वोटर कार्ड के लिये नया फार्म भर सकते हैं।

वकीलों तथा कर्मचारियों ने स्थानांतरित नायब तहसीलदार को किया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। गैरजिले स्थानांतरित नायब तहसीलदार आकांक्षा मिश्रा का बुधवार को यहां तहसील सभागार मे अधिवक्ताओं एवं कर्मचारियों द्वारा सारस्वत सम्मान किया गया। संयुक्त अधिवक्ता संघ के द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे बतौर मुख्यअतिथि एसडीएम ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह तथा संघ के अध्यक्ष राममोहन सिंह व उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय एवं लेखपाल संघ के अध्यक्ष रामचंद्र त्रिपाठी ने नायब तहसीलदार आकांक्षा को शॉल व सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। एसडीएम ज्ञानेन्द्र विक्रम सिंह ने नायब तहसीलदार के रूप मे आकांक्षा मिश्रा की स्थानीय तहसील मे दी गई शासकीय सेवाओं को अप्रतिम उदाहरण ठहराया। वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता गया प्रसाद मिश्र, विनोद मिश्र, शैलेन्द्र सिंह, घनश्याम मिश्र, अनिल महेश, शहजाद अंसारी, कुलभूषण शुक्ल, हरिशंकर द्विवेदी, रामलगन यादव तथा लेखपाल संघ के मंत्री रामचंद्र सरोज व रामबिहारी मिश्र तथा राकेशकांत मिश्र ने भी नायब तहसीलदार आकांक्षा की प्रशासनिक दक्षता व कार्यकुशलता की सराहना की। नायब तहसीलदार आकांक्षा मिश्रा ने अपने कार्यकाल मे यहां मिले अधिवक्ताओं तथा कर्मचारियों के सहयोग के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष राममोहन सिंह व संचालन पूर्व अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने किया। इस मौके पर तपन पाण्डेय, प्रमोद सिंह, सुरेंद्र सिंह, किशोरी, जयप्रकाश शुक्ल, हरिकिशोर त्रिपाठी, शैलेन्द्र शुक्ल, मिथलेश त्रिपाठी, मस्तराम पाल, सुमित त्रिपाठी, दिनेश सिंह, जेपी द्विवेदी, सिंटू मिश्र आदि रहे। आभार प्रदर्शन कार्यक्रम के संयोजक संघ के उपाध्यक्ष संतोष पाण्डेय ने किया।

रामपुरखास के विकास के मिशन को मिलती रहेगी रोशनी : प्रमोद तिवारी

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। दीप महोत्सव पर नगर स्थित क्षेत्रीय विधायक आराधना मिश्रा मोना के कैम्प कार्यालय पर बालिकाओं द्वारा आकर्षक रंगोली कला का प्रदर्शन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व राज्यसभा सदस्य एवं केन्द्रीय कांग्रेस वर्किंग कमेटी के सदस्य प्रमोद तिवारी ने प्रतिभागियों को सम्मानित करते हुए पुरस्कृत किया।

उधर दीपावली पर पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने बाबा घुइसरनाथ धाम मे लोक कल्याण की मंगल कामना के साथ दीप जलाये। प्रमोद तिवारी ने बाबा के समक्ष मत्था टेका। वहीं मंदिर के परिसर मे भगवान वेंकटेंश बालाजी महराज तथा श्रीराम दरबार व मां दुर्गा एवं बजरंगबली महराज के समक्ष भी प्रमोद तिवारी ने दीप जलाकर लोगों के कल्याण के लिये प्रार्थना की। वहीं प्रमोद तिवारी ने कैम्प कार्यालय पर जुटे कार्यकताओं तथा व्यापारियों एवं अधिवक्ताओं के समूह को संबोधित करते हुए कहा कि वैभवशाली रामपुरखास के निर्माण मे सतत सहयोग के जरिए क्षेत्र को विकसित बनाए जाने मे जनता के विश्वास को और मजबूती दी जाएगी। रंगोली मे सराहनीय प्रतिभाग के लिए शिवांगी सिंह व कृति सिंह को पुरस्कृत भी किया। कार्यक्रम मे मौजूद मशहूर सिनेगायक रवि त्रिपाठी ने भी प्रतिभागियों की हौसला आफजाई की। सीडब्ल्यूसी मेंबर प्रमोद तिवारी ने राष्ट्रीय प्रगति की कामना के साथ नगर के चौक पर शहीद प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण भी किया। नगर पंचायत कार्यदायी संस्था द्वारा दीप महोत्सव पर चलाए गये स्वच्छता अभियान को लेकर चेयरपर्सन अनीता द्विवेदी की भी सराहना की। इस मौके पर इं. अमित प्रताप सिंह, संतोष द्विवेदी, अशोक सिंह बब्लू, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, आशीष उपाध्याय, केडी मिश्र, डा. चंद्रेश सिंह, छोटेलाल सरोज, सुधाकर पाण्डेय, लालजी यादव, रघुनाथ सरोज, भुवनेश्वर शुक्ल, रवीन्द्र मिश्र, रिंकू सिंह परिहार, पवन शुक्ल, मुन्ना तिवारी, गबलू जायसवाल, गौरव केसरवानी, मुरलीधर तिवारी आदि रहे।

असंगठित कर्मकारों का निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कराएं पंजीयन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी डा0 नितिन बंसल की अध्यक्षता में कलेक्टेज्ट के सभागार में ई-श्रम पोर्टल पर असंगठित कर्मकारों के पंजीयन के सम्बन्ध में समीक्षा की गयी। बैठक में श्रम प्रवर्तन अधिकारी ने बताया कि ई-श्रम पोर्टल पर जनपद में 31 दिसम्बर 2021 तक असंगठित कर्मकारों के पंजीयन का लक्ष्य 1665984 प्राप्त हुआ है जिसमें विभागवार पंजीयन का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके तहत आशा वर्कर 2884, आंगनबाड़ी वर्कर, 5240, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि 570461, शॉप वर्कर 8152, एन0आर0एल0एम0 वर्कर 78517, पीएम स्वनिधि 4250, बी0ओ0सी0 डब्ल्यू वर्कर 106157, मनरेगा वर्कर 308677, शौचालय योजना के पात्र लाभार्थी 581646 सम्मिलित है। जनपद में अभी तक ई-श्रम पोर्टल पर 140374 का पंजीयन किया जा चुका है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि ई-श्रम पोर्टल पर जनपद को जो लक्ष्य प्राप्त हुआ है उसके तहत सम्बन्धित अधिकारी पंजीयन कार्य में तेजी लाये और इसमें किसी भी स्तर पर शिथिलता एवं लापरवाही न बरती जाए।

भगवान की कथा है मानवजीवन में अमृतः कौशल किशोर

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। क्षेत्र के पूरे बनवारी गांव मे हो रही श्रीमद्भागवत कथा ज्ञानयज्ञ के समापन पर गुरूवार को भगवान राधेकृष्ण की विशेष आरती मे श्रद्धालु मगन दिखे। कथाव्यास अवध धाम से पधारे आचार्य कौशल किशोर मिश्र जी महराज ने कहा कि भागवत कथा श्रवण से ही कलिकाल मे मानव तन को समस्त वैभव की अनुभूति हो जाया करती है। उन्होंने कहा कि भगवान की कथा अमृत है और इसका रसपान करने वाला प्राणी कभी भी दुख का कष्ट नही सहन करता। आचार्य कौशल किशोर जी महराज ने कहा कि प्राणी जब कभी भी प्रभु की आराधना मात्र का स्वर जिहवा पर ले आया करता है, प्रभु उसके कल्याण के निमित्त अपना करूणाभाव रखा करते है। कथाव्यास ने कहा कि भगवान की भक्ति का मार्ग निर्मल होता है किंतु इस भक्ति मे आराधना का भाव भी निष्काम होना चाहिए। उन्होने कहा कि भगवान के प्रति शरणागत जीवन सदैव धरती पर ही समस्त वैभव व सुख से अलंकृत दिखा करता है। कथा के संयोजक पं. कालिका प्रसाद ओझा एवं सह संयोजिका उज्वला ने कथाव्यास का सारस्वत सम्मान किया। कथाश्रवण के लिए बुधवार की देर शाम पूर्व राज्यसभा सदस्य प्रमोद तिवारी ने ज्ञानयज्ञ स्थली पहुंचे। कथाव्यास ने लोक कल्याण के लिए प्रमोद तिवारी को आशीष भी प्रदान किया। कथा समापन के अवसर पर भगवान राधे-कृष्ण की विशेष आरती मे महिलाओं का मंगलगान भी मनमोहक दिखा। सह संयोजक युवा समाजसेवी प्रीतेन्द्र ओझा ने कथाव्यास व भक्तों का रोली चंदन से अभिषेक किया। इस मौके पर कृपाशंकर ओझा, चेयरपर्सन प्रतिनिधि संतोष द्विवेदी, अमित प्रताप सिंह, केडी मिश्र, विकास मिश्र, ज्ञानप्रकाश शुक्ल, अरूण कुमार, अजय ओझा, छोटेलाल सरोज, दयाशंकर तिवारी आदि रहे।

तीन के खिलाफ तोड़फोड़ व धमकी की रिपोर्ट दर्ज

अखंड भारत संदेश

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने रंजिशन मारपीट को लेकर तीन आरोपियों के खिलाफ मारपीट तथा तोडफोड व धमकी का केस दर्ज किया है। कोतवाली के कोडरा मांदूपुर निवासी चंद्रिका प्रसाद तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती दो नवंबर को सुबह दस बजे गांव के लालजी, यमुना प्रसाद तथा सतीश एकराय होकर उसके दरवाजे चढ़ आये। आरोपियो ने पीड़ित को गाली देते हुए लाठी डंडे से उसे तथा उसके पुत्र को मारपीट कर चुटहिल कर दिया। आरोपियो ने विरोध करने पर गृहस्थी के सामान भी तोडकर नष्ट कर दिये। शोर मचाने पर आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने बुधवार की रात आरोपी यमुना प्रसाद समेत तीन के खिलाफ मारपीट तथा धमकी व तोडफोड का केस दर्ज किया है

धड़ल्ले से रोडवेज बस अड्डे पर हो रही डग्गामारी

एआरएम के पत्र का असर नहीं, विभाग को हो रही राजस्व की हानि

अखंड भारत संदेश

रोडवेज बस अड्डे पर धड़ल्ले से डग्गामारी की जा रही है। यहां परिवहन विभाग के चालक व परिचालकों को डरा-धमकाकर प्राइवेट बसों के चालक अपना वाहन लेकर बस अड्डे तक पहुंच जाते हैं और वहां से यात्रियों को भर लेते हैं। इसके चलते परिवहन विभाग को राजस्व की क्षति हो रही है। इसे लेकर सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने जिलाधिकारी को पत्र लिखा था किन्तु अब तक कोई कार्यवाही नहीं हो सकी है।

एआरएम के पत्र का असर नहीं, विभाग को हो रही राजस्व की हानि

जानकारी के मुताबिक अम्बेडकर चौराहे के बाद से रोडवेज बस अड्डे की ओर डग्गामार वाहन नहीं चलने पाएंगे। प्राइवेट जीप और टैक्सी कम्पनी बाग से होकर जाने वाले बाईपास से होकर गुजरेंगी।

उधर से आने वाले डग्गामार वाहन भी मीराभवन चौराहे से सीधे बस अड्डे की ओर न आकर बाईपास से गुजरेंगी किन्तु इसका अनुपालन नहीं किया जा रहा है। प्रशासन की शिथिलता के चलते डग्गामार वाहनों को लेकर उसके चालक जबरिया रोडवेज बस अड्डे तक पहुंच जाते हैं और यात्रियों को रोडवेज की बस से उतारकर अपनी बस पर बैठा लेते हैं।

इससे विभाग को राजस्व की क्षति हो रही है। जबकि सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने विभाग की आय बढ़ाने के लिये यात्रियों को बुलाने के लिये जगह-जगह कर्मचारियों को लगाया है। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक ने डग्गामारी को रोकने के लिये जिलाधिकारी को कई बार पत्र लिखा किन्तु उसका अनुपालन नहीं कराया जा सका है जिसके चलते विभाग को राजस्व की क्षति हो रही है।

विद्युत कटौती से उपभोक्ता आजिज

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। विद्युत कटौती से उपभोक्ता अजीज आ गये है मामला तहसील क्षेत्र विद्युत वितरण उपखण्ड पट्टी का है। तहसील क्षेत्र के विभिन्न विद्युत फीडरों पर विद्युत रोस्टर धड़ाम हो गया है। जिससे क्षेत्र के लोगों को लगातार दो घण्टे विद्युत सप्लाई मिलना मुश्किल हो गया है। क्षेत्र के पट्टी करैला फीडर के अर्न्तगत ग्राम सराय महेश, अर्जुनपुर, नारंगपुर, बेला, दुबौली, सोनबरसा, छतेड़ी, सिरनाथपुर, पहलमापुर, मरियमपुर सहित दर्जनों गांवों के उपभोक्ता विद्युत सप्लाई के अनियमता से अजीज आ गये है जब कि बरसात के मौसम में जंगली विषैले जीव जन्तुओं का भय बना रहता है शाम होते ही गांव अधेरे में डूब जाते है जिससे जंगली विषैले जीव जन्तुओं के भय से ग्रामीण घर से बाहर निकलना गवारा नहीं समझते है वहीं बरसात की वजह से मच्छरों की भरमार हो गयी विद्युत सप्लाई न मिलने से सब ठप्प हो जाते है जिससे ग्रामीणों की रात की नींद हराम हो गयी है इस बाबत विद्युत उपभोक्ताओं ने कई बार लिखित और मौखिक रूप से विद्युत विभाग के अधिकारियों से शिकायत किया है कि लेकिन विद्युत विभाग के कर्मचारियों की उदासीनता से विद्युत उपभोक्ता विद्युत सप्लाई की अनियमता के दंश झेलने पर मजबूर हो गये हैं जिससे लोगों में गहरा आक्रोश व्याप्त है।

खबर संक्षेप

डीएम एसपी ने दी दीपावली की बधाई

कौशांबी। दीपावली के पवन पर्व पर जिला अधिकारी सुजीत कुमार और पुलिस अधीक्षक राधेश्याम विश्वकर्मा ने जनपद वासियों को दीपावली की हार्दिक बधाई दी है उन्होंने कहा है कि दीपावली का पर्व जिले वासियों को सुख समृद्धि प्रदान करें दोनो अधिकारियों ने जिले वासियों के भविष्य की कामना की है।

पुलिस ने वसूला जुमार्ना

कौशाम्बी। जिले में लॉक डाउन के दृष्टिगत सरकार द्वारा निर्गत निदेशी के अनुपालन के क्रम में पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में जिले स्तर पर विभिन्न थानों द्वारा अनावश्यक रूप से बाहर घूमने व मास्क न लगाने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई व चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया जिसमें 164 वाहनों का ई चालान किया गया व 7 वाहन का चालान कर 3500 रुपए जुमार्ना वसूला गया व बिना मास्क लगाए घूम रहे 2 व्यक्तियों से 200 रुपए जुमार्ना वसूला गया।

उद्घाटन और समापन तक सीमित रहा मंझनपुर का दीपावली मेला महोत्सव

सरकारी खजाने को लूटने में अभ्यस्त हो चुके हैं नगर पालिका मंझनपुर के जिम्मेदार

अखंड भारत संदेश

मंझनपुर नगर पालिका द्वारा डायट मैदान में लगाया गया दीपावली मेला महोत्सव का दृश्य

कौशांबी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दीपावली मेला महोत्सव आयोजन करने का निर्देश दिया था जिसके क्रम में जनपद मुख्यालय मंझनपुर नगर पालिका द्वारा डायट मैदान परिसर में दीपावली मेला महोत्सव का आयोजन किया गया लेकिन इस मेला महोत्सव आयोजन में किसी प्रकार का कार्यक्रम नहीं आयोजित हो सका केवल मेला उद्घाटन और समापन कार्यक्रम तक सांसद विधायकों अधिकारियों की उपस्थिति में कार्यक्रम सीमित रह गया है उद्घाटन के बाद मेला परिसर पूरी तरह से वीरान पड़ा रहा सड़क पर ठेला लगाकर जीविकोपार्जन करने वाले गरीबों को दीपावली मेला महोत्सव के उद्घाटन के अवसर पर मेला परिसर में खड़ा कर फोटो वीडियो बना कर शासन को भेजकर मेला सफलता की वाहवाही लूटी गई है। दीपावली मेला महोत्सव के नाम पर नगर पालिका मंझनपुर के जिम्मेदारों ने सरकारी खजाने से बड़ा बजट निकाल लिया है जो बड़ी जांच का विषय है दीपावली मेला महोत्सव के नाम पर सरकारी खजाने की रकम में हेराफेरी करने वाले नगरपालिका मंझनपुर के अधिकारियों के कारनामों की यदि योगी सरकार ने जाँच कराई तो इन अधिकारियों का भ्रस्ट चेहरा बेनकाब होगा। इसके पहले नगरपालिका मंझनपुर के जिम्मेदारों ने पेड़ की डाल खोस कर सरकारी खजाने को लूट लिया है इतना ही नहीं सरकारी खजाने को लूटने में नगर पालिका मंझनपुर के जिम्मेदार अभ्यस्त हो चुके हैं पूर्व में नाली निर्माण हैंड पंप रिपेयर खड़ंजा निर्माण आदि कार्यों के के नाम पर 4 करोड़ रुपए की रकम खजाने से निकाली गई है लेकिन कहीं भी कार्य नहीं दिखाई पड़ रहे हैं नगर पालिका मंझनपुर द्वारा कराए गए कार्यों की जांच करा कर दोषियों को दंडित किए जाने की मांग नगर वासियों ने मुख्यमंत्री से की है।

सात दिवसीय भरवारी दीपावली मेले का हास्य कवि से हुआ समापन : विधायक संजय गुप्ता

विधायक चायल संजय गुप्ता ने कहा कि बहुत जल्द ही भरवारी तहसील के नाम से जानी जाएगी

हास्य कवि राजू श्रीवास्तव ने कहा कि विधायक जी आपकी लोकप्रियता बहुत है कार्यक्रम में हजारों की संख्या में उपस्थित भीड़ चायल विधायक संजय गुप्ता की लोकप्रियता बयां कर रही है

मेला महोत्सव में भीड़ को सम्बोधित करते विधायक संजय गुप्ता

मेला महोत्सव में उपस्थित लोगों को ठहाका लगवाते हास्य कवि राजू श्रीवास्तव

चायल विधायक ने जिले वासियों को दी दीपावली की शुभकामनाएं

कौशांबी। विधानसभा चायल से भाजपा विधायक संजय कुमार गुप्ता ने दीपावली के पावन पर्व पर जनपद वासियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है इस बीच उन्होंने तमाम लोगों के बीच दीपावली उपहार का वितरण किया है उन्होंने कहा कि प्रभु श्री राम के 14 वर्ष वनवास पूर्ण होने के उपरांत अयोध्या वापस आने के जश्न में घरों को दीपक से लोग सजाते हैं उन्होंने कहा कि दीपावली का पर्व आस्था एवं धर्म से जुड़ा है दीपावली का पर्व मिलजुल कर मनाएं जाने की अपील उन्होंने नगर जिले वासियों से किया है।

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। नगर पालिका परिषद भरवारी में चल रहे सात दिवसीय दीपावली मेला महोत्सव का गुरुवार को फिल्म जगत के मशहूर कैबिनेट मंत्री राजू श्रीवास्तव के ठहाकों से समापन हुआ जिसमें लखनऊ की डांस ग्रुप ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए प्रतिभाग किया। हास्य कवि राजू श्रीवास्तव ने अपने अंदाज में मेले में आए हुए सभी लोगों को खूब हंसाया अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र शक्ति कपूर शाहरुख खान मिथुन चक्रवर्ती जैसे मशहूर कलाकारों की आवाज में मिमिकरी कर लोगों को उन्होंने खूब हंसाया और मोदी योगी सरकार का बखान करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी सभी का सम्मान करती है उन्होंने कहा कि मुझ जैसे जोकर को भाजपा ने आज कैबिनेट मंत्री बना दिया साथ ही विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता को धन्यवाद दिया कि विधायक जी आपकी लोकप्रियता बहुत है कि कार्यक्रम में हजारों की संख्या में उपस्थित भीड़ चायल विधायक संजय गुप्ता की लोकप्रियता बयां कर रही है। आपने वक्तव्य में विधायक चायल संजय कुमार गुप्ता ने कहां कि यह मेरा सौभाग्य है कि दीपावली महोत्सव कराने का मुझे यह अवसर मिला हमारी योगी सरकार ने सभी जिलों में दीपावली महोत्सव कराने का ऐलान किया था आज हमारी भरवारी दीपावली महोत्सव उत्तर प्रदेश की नंबर वन विधानसभा है साथ ही विधायक श्री गुप्ता ने आए हुए सभी को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा कि आप सब ने मुझे विधायक बनाया है आपका विधायक सड़क से लेकर सदन तक आपकी आवाज उठाता है आपकी विधानसभा में जो कार्य कभी नहीं हुआ ऐसे नए-नए परियोजनाएं लाकर यहां के लोगों को समर्पित किया हु अब चायल घायल नहीं है अब चायल खुशहाल है खुशी जाहिर करते हुए विधायक ने कहा कि अब भरवारी नगरपालिका के नाम से नहीं तहसील के नाम से जानी जाएगी मेरे प्रस्ताव पर शासन ने भरवारी को तहसील बनाने का निर्देश दे दिया है जिसकी कार्यवाही शुरू हो गई है उन्होंने कहा कि बहुत जल्द ही भरवारी तहसील के नाम से जानी जाएगी उपस्थित आए हुए सभी कलाकारों का विधायक ने अंग वस्त्र व मोमेंटो देकर सभी को सम्मानित किया और अपने समस्त नगर पालिका सहित 7 दिन के लगे मेले के समस्त स्टाफ को अंग वस्त्र पहनाकर विधायक ने सम्मानित किया। भाजपा जिला अध्यक्ष अनीता त्रिपाठी ने कहां की मैंने पहला विधायक देखा है जिसके अंदर इतनी दरियादिली है कि अपने छोटे से छोटे और बड़े से बड़े कार्यकर्ता का ध्यान रखते हैं और सब को सम्मान देने का काम करते हैं महेशपुर की संस्कृति त्रिपाठी ने विधायक चायल द्वारा कराए गए विकास कार्य व विधायक के अभियान मेरी बेटी मेरा अभिमान को बहुत सफल बताया और कहा कि मुझे बेटी होने का गर्व होता है विधायक द्वारा चलाए गए अभियान का बखान किया साथ ही विधायक ने बेटी संस्कृति त्रिपाठी को अंग वस्त्र और मोमेंटो से सम्मानित भी किया मंडपम द्वारा लगाए गए स्टाल के सुशील उपाध्याय जी को भी अंग वस्त्र व मोमेंटो देकर विधायक ने सम्मानित किया कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के पुत्र योगेश मौर्य सहित पूर्व चेयरमैन गंगा प्रसाद काले अशोक केसरवानी रमेश अग्रहरि पितांबर लाल केसरवानी भाजपा जिला महामंत्री दीपचंद दिवाकर जिला महामंत्री सूरज यादव जिला अध्यक्ष पुष्पराज पटेल हर्ष केसरवानी सहित नगर व आसपास क्षेत्र के लोग उपस्थित रहे।

आतिशबाज कारोबारियो को 2 जिले की पुलिस का भुगतना पड़ा दण्ड

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। दीपावली के पर्व पर मनौरी क्षेत्र में आतिशबाजी की दुकान लगाने के लिए जिलाधिकारी कौशांबी द्वारा पब्लिक इंटर कॉलेज का स्थान निर्धारित किया गया जब आतिशबाज कारोबारियों ने पब्लिक इंटर कॉलेज मनौरी में अपने आतिशबाजी की दुकानें सजा ली तो पूरामुफ्ती पुलिस आतिशबाज कारोबारियों के दुकान के पास पहुंची और उसने अपना फरमान सुनाया कि यह क्षेत्र प्रयागराज जिले के अंतर्गत आता है इसलिए मनौरी के आतिशबाज व्यापारी यहां से अपनी दुकान हटा ले लेकिन जब व्यापारियों ने पूरामुफ्ती पुलिस को बताया कि जिलाधिकारी कौशांबी के निर्देश पर पब्लिक इंटर कॉलेज में आतिशबाजी की दुकान लगाई गई है तो पूरामुफ्ती पुलिस ने प्रत्येक दुकानों से दो दो हजार रुपए की डिमांड की मजबूर आतिशबाज व्यापारियों ने जब दो दो हजार रुपए पूरा मुफ्ती पुलिस को दे दिया तो जिला अधिकारी कौशाम्बी का आदेश पूरामुफ्ती पुलिस ने मान लिया उसके पहले पूरामुफ्ती पुलिस पब्लिक इंटर कॉलेज का क्षेत्र कौशांबी के बजाय इलाहाबाद क्षेत्र में बता रहे थे आखिर दो दो हजार रुपए लेने के बाद पब्लिक इंटर कॉलेज क्षेत्र कैसे कौशांबी के आधीन हो गया है पूरा मुफ्ती पुलिस का यह कारनामा बड़ी जांच का विषय है और इस मामले में यदि जांच हुई तो पूरा मुफ्ती पुलिस को दंडित होना पड़ेगा आतिशबाज व्यापारियों ने पूरामुफ्ती पुलिस के कारनामे पर एडीजी जोन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए थाना पुलिस पर कठोर कार्यवाही की मांग की है।

जुआ खेलते दस अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। जिले के अलग अलग थानों द्वारा जुआ खेलते दस अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्यवाही के लिए भेज दिया है जानकारी के मुताबिक थाना महेवाघाट पुलिस बल द्वारा पांच अभियुक्तो को सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेलते गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया है जानकरी के मुताबिक जगतपाल पुत्र स्व0 शारदा प्रसाद जितेंद्र निषाद पुत्र राम किशोर निषाद मनोज कुमार पुत्र छेदीलाल श्याम पुत्र भुल्ली निवासी घोंघापुर थाना महेवाघाट को सार्वजनिक स्थान पर हार जीत की बाजी लगाकर जुआ खेलते हुए गिरफ्तार कर कब्जे से 700 रुपए मालफंड तथा जामातलाशी के दौरान 300 रुपए बरमाद कर कार्यवाही के लिए भेज दिया है। इसी प्रकार थाना पश्चिम शरीरा पुलिस बल द्वारा पांच अभियुक्त सिपाही लाल मौर्या पुत्र नत्थू प्रसाद मौर्या अजय शुक्ला पुत्र राजकुमार शुक्ला संतोष कुमार सरोज पुत्र शिवपूजन दुबई रैदास पुत्र बाबा दीन व सावन रैदास पुत्र श्याम निवासी अमीना थाना पश्चिम शरीरा को गिरफ्तार कर कब्जे से 970 रुपए मालफंड व जमा तलाशी के दौरान 840 रुपए बरमाद कर अभियुक्त को गिरफ्तार कर कार्यवाही के लिए भेज दिया है।

चित्रकूट मेला के चलते वाहनों के लिए भटकते रहे यात्री

अखंड भारत संदेश

चित्रकूट मेला के चलते तमाम वाहन बिना परमिट अवैध तरीके से संचालित होते देखे गए हैं

परिवहन विभाग के अधिकारियों ने चित्रकूट मेला को लेकर पूर्व से नहीं की थी तैयारी

कौशांबी। दीपावली के पर्व पर चित्रकूट के कामतानाथ स्वामी के दर्शन और कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा का बेहद महत्व है जिसके चलते दीपावली के दिन लाखों भक्त कामतानाथ स्वामी के दर्शन कर कामदगिरि पर्वत की परिक्रमा करते हैं चित्रकूट मेला के चलते दो दिन पहले से भक्तों का आवागमन शुरू हो जाता है बुधवार और गुरुवार को हजारों भक्त कौशांबी के रास्ते से चित्रकूट पहुंचे है परिवहन विभाग के अधिकारियों ने चित्रकूट मेला को लेकर पूर्व से तैयारी नहीं की थी जिससे वाहनों के लिए सड़कों पर यात्री भटकते देखे गए हैं घंटों इंतजार करने के बाद यात्रियों को वाहन उपलब्ध हो पाता था जिससे वाहन देखते-देखते भर जाता था धक्का खाते हुए भक्त चित्रकूट मेले के लिए प्रस्थान करते देखे गए हैं यही स्थिति दीपावली के बाद वापसी में यात्रियों की होती है परिवहन विभाग ने यदि अभी से वापसी की यात्रा के लिए सरकारी बसों की संख्या नहीं बढ़ाई तो यात्रियों को चित्रकूट मेला से वापसी के समय मुसीबत से गुजरना पड़ेगा परिवहन विभाग की बसों की कमी का फायदा निजी वाहन संचालक उठाते हैं और यात्रियों से मनमाना किराया वसूल कर उन्हें गंतब्य तक पहुंचाते हैं चित्रकूट मेला के चलते तमाम वाहन बिना परमिट अवैध तरीके से संचालित होते देखे गए हैं जिन पर पुलिसकर्मियों की विशेष नजर थी और किसी वाहन पर पुलिस ने कानूनी कार्रवाई नहीं की है।

पुलिस चौकी सिराथू इंचार्ज ने गरीब परिवार में मनवाई दीपावली

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सैनी कोतवाली की पुलिस चौकी सिराथू के इंचार्ज राकेश कुमार राय ने गरीब परिवार के बीच जाकर अपने हाथों से कैंडल और मिष्ठान बच्चों के बीच वितरित किया है मिठाई और मोमबत्ती मिलने से बच्चों के चेहरे खिल उठे चौकी इंचार्ज ने बच्चों के अभिभावकों को पटाखा व विस्फोटक सामग्रियों से दूर रहने के लिए सलाह दिया है पुलिस के लिए मानवता की मिसाल पेश करने वाले सिराथू चौकी इंचार्ज राकेश कुमार राय ने आज दीपावली के मौके पर सिराथू चौकी के पास नटो के डेरे पर जाकर बच्चों को कैंडल फल और मिष्ठान वितरित किया चौकी इंचार्ज के इस कार्य की दलित बस्ती नटो के डेरो के लोग प्रशंसा कर रहे हैं फल मिठाई मोमबत्ती वितरण के समय चौकी इंचार्ज सिराथू राकेश कुमार राय कांस्टेबल अजय कुमार यादव कांस्टेबल नितेश तिवारी हेड कांस्टेबल राकेश कुमार कांस्टेबल विशाल दुबे कांस्टेबल सूरज यादव दिनेश सिंह पवन पटेल एवं राजू विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

`गरीबों के बीच मिठाई वितरित करती सिराथू पुलिस

`बच्चों को फल और मिठाई वितरित करती कोतवाली पुलिस

अनाथ बच्चों को बांटे गए फल व मिठाई

बच्चों के चेहरे पर दिखाई दी खुशियों की दिवाली

अझुवा कौशाम्बी। दीपावली के पावन पर्व पर गरीबों की मदद करने के लिए सैनी कोतवाली पुलिस ने हाथ बढ़ाया है और गरीब बस्तियों में जाकर बच्चों के बीच मिठाई फल वितरित कर बच्चों को गले लगाया और उन्हें दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं सैनी कोतवाली पुलिस की दीपावली पर्व पर गरीब बस्तियों के बीच दीपावली मनाए जाने से गरीब बस्तियों में जश्न का माहौल है।दारा नगर के खोचकी मई गांव में स्थित आश्रय गृह में संस्था के सदस्यों के साथ सैनी कोतवाली उपनिरीक्षक अजहर जमाल उपनिरीक्षक बृजेन्द्रकुमार पहुँचे और अनाथ बच्चों को फल मिठाई बांटकर दिवाली की खुशियों में शरीक हुए हैं इस दौरान कौशर अब्बास मूंगहरी अम्बर भाई के छोटे भाई सहित संस्था के सदस्य मौजूद रहे।

अवैध शराब भट्टी और शराब विक्रेताओं पर अंकुश नहीं लगा सका आबकारी

अखंड भारत संदेश

स्थानीय पुलिस चौकी और आबकारी निरीक्षक करते हैं अवैध शराब भट्टी संचालकों से वसूली

कौशाम्बी। अवैध शराब की भट्ठियों के संचालन पर रोक लगाने के लिए सूबे के मुख्यमंत्री बार-बार निर्देश दे रहे हैं अवैध शराब पीने से कई जनपदों में दर्जनों लोगों की मौत हो चुकी है जिससे अवैध शराब की भठ्ठी के संचालन पर सरकार का नजरिया सख्त है और बार-बार अवैध शराब की भट्टी को बंद कराए जाने के निर्देश सरकार दे रही है लेकिन कौशांबी जिले में अवैध शराब की भट्टी स्थानीय पुलिस चौकी और आबकारी निरीक्षकों की कमाई का जरिया बन चुका है प्रत्येक शराब की भठ्ठी संचालकों से तीन हजार रुपए महीने स्थानीय चौकी पुलिस और तीन हजार रुपए महीने आबकारी निरीक्षक प्रत्येक भट्टी संचालकों से वसूली करते हैं सूत्रों की माने तो प्रत्येक थाना क्षेत्र में सैकड़ों अवैध शराब भट्ठियां बेखौफ तरीके से धधक रही है जिनसे आबकारी पुलिस और स्थानीय पुलिस चौकी के जवान वसूली करते हैं इतना ही नहीं जिले के कई क्षेत्रों में बेखौफ तरीके से शराब का भंडारण कर शराब की बिक्री की जाती है इन धंधे बाजो से भी दोनों बिभाग के लोगों द्वारा वसूली की जाती है शिकायत करने के बाद भी अवैध शराब कारोबारियों पर कार्यवाही नहीं होती है आखिर कब तक आबकारी निरीक्षक और चौकी पुलिस अवैध शराब भट्टी संचालकों से वसूली करती रहेगी दीपावली त्यौहार पर भी अवैध शराब भट्टी का धधकना नहीं बंद हो सका है खुलेआम शराब की बिक्री हो रही थी और शराब पीकर लोगों ने जमकर उत्पात मचाया है बेखौफ तरीके से संचालित हो रही अवैध शराब भट्टी के चलते राजस्व को भी बड़ा नुकसान हो रहा है इस गंभीर प्रकरण पर भी आबकारी अधिकारी गंभीर नहीं हैं अवैध शराब भट्टी के संचालन की ओर ग्रामीणों ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कठोर कार्यवाही की मांग की है।

2 दिन बीते दलित बालिका की इज्जत लूटने का प्रयास करने वाले नहीं गिरफ्तार हुए आरोपी

अखंड भारत संदेश

नाबालिग दलित बालिका की इज्जत लूटने का प्रयास करने वाले आरोपी मुकदमा वापस लेने का परिजनों पर बना रहे दबाव

कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के दरियापुर स्थित ईंट भट्टे में मजदूरी करने वाले दलित व्यक्ति की नाबालिग बेटी को अकेला पाकर भट्ठा मालिक के परिजन ने बलात्कार करने का प्रयास किया था घटना को 2 दिन बीत चुके हैं मामले में पुलिस ने एस सी एस टी बालिका के साथ छेड़खानी और पास्को एक्ट सहित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन घटना को 2 दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने प्रयास नहीं शुरू किया है इतना ही नहीं नाबालिग दलित बालिका का मेडिकल परीक्षण कराए जाने का भी प्रयास 2 दिन बाद पुलिस ने नहीं शुरू किया है जिससे पुलिस की मंशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है बालिका की इज्जत लूटने का प्रयास करने वाले भट्ठा मालिक के परिजन खुलेआम घूम रहे हैं और पीड़ित दलित बालिका के परिजनों पर नाजायज दबाव बनाकर मुकदमा वापसी लेने का प्रयास कर रहे हैं भट्ठा मालिक मनौरी कस्बे के रहने वाले बताए जाते है बताते चलें कि पिपरी थाना क्षेत्र के फरीदपुर सलेम का दलित बिरादरी का एक व्यक्ति प्रकाश ईंट भट्ठा दरियापुर में मजदूरी करता है और भट्ठे में परिवार सहित रहता है मंगलवार को वह तिल्हापुर मोड़ बाजार करने चला गया उसकी 13 वर्ष की बेटी अकेली थी मौका पाकर भट्ठा मालिक के परिजन ने उसके साथ जोर जबरदस्ती करना शुरू कर दिया कमरा बंद कर लिया बालिका किसे जैसे छत के रास्ते से कूदकर बालिका ने इज्जत और जान बचाई मामले की सूचना स्थानीय पुलिस चौकी में दी गई पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है लेकिन आरोपियों पर कार्यवाही नहीं हुई है सूत्रों की माने तो आरोपियों से पुलिस की सेटिंग हो चुकी है सूत्रों की माने तो पुलिस ने आरोपियों को स्पष्ट कह दिया है कि पीड़ित बालिका के परिजनों से किसी तरह एक समझौता पत्र दिला दो इस मुकदमे को खत्म कर देंगे आखिर दलित नाबालिग बालिका की इज्जत के साथ खिलवाड़ करने का प्रयास करने वाले आरोपियों के साथ इतनी रहम दिली क्यो है जबकि भट्ठा मालिक खुलेआम इलाके में घूम रहे हैं।

दीपावली के पर्व पर भी नगर पंचायत करारी ने नहीं की नाला की सफाई

अखंड भारत संदेश

योगी मोदी के निर्देश के विपरीत नगर पंचायत करारी के अधिषासी अधिकारी कार्य करने की हो चुकी हैं अभ्यस्त, दीपावली पर्व पर नगर की सफाई न होने से नगर वासियों में शासन प्रशासन के प्रति ब्याप्त है जबरदस्त आक्रोश

नगर पंचायत करारी में गंदगी से व्याप्त नाले का दृश्य

करारी कौशाम्बी। नगर पंचायत करारी की अधिशासी अधिकारी और उनके कर्मचारी मनमानी पर उतारू है उन्हें सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के स्वच्छता अभियान का निर्देश और देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वच्छ भारत अभियान के दिशा निदेर्शों की परवाह नहीं है प्रतिदिन नगर पंचायत करारी में गंदगी का अंबार लगा रहता है नालियां बजबजाती रहती हैं सड़कों और पटरियों पर कूड़े का ढेर लगा रहता है साफ सफाई के नाम पर करारी नगर पंचायत में सरकारी बजट केवल खजाने से निकालकर जिम्मेदार डकार रहे हैं इतना ही नहीं दीपावली के पर्व पर घर घर साफ सफाई आम जनता द्वारा की जाती है दीपावली के पर्व को स्वच्छता का पर्व माना जाता है लेकिन उसके बाद भी नगर पंचायत करारी के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा कस्बे के कई मोहल्ले में नालियों की सफाई नहीं कराई गई है दीपावली के पर्व पर कस्बे की नालियां बजबजाती रह गयी है जिससे नगर वासियों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है करारी नगर पंचायत की अधिशासी अधिकारी द्वारा दीपावली के पूर्व ठीक ढंग से नगर की सफाई न कराए जाने के मामले को आला अधिकारियों ने भी संज्ञान नहीं लिया है आखिर दीपावली के पर्व पर नगर की सफाई न करने वाली अधिषासी अधिकारी पर निलंबन की कार्यवाही आला अधिकारी कब करेंगे इस बात का इंतजार नगर की जनता कर रही है।

बताते चलें कि करारी भरवारी रोड के नेता नगर और किंग नगर में नाले की सफाई नही होती है नाले की सफाई न होने से मच्छरों का ब्यापक साम्राज्य हो गया है और नाले की गंदगी से उठने वाली दुर्गंध से मोहल्ले के लोगों का जीना मुहाल है नाले की सफाई ना होने से उठने वाली दुर्गंध और मच्छर मार दवा का छिड़काव ना होने से नगरवासी परेशान है जबकि सूत्र बताते हैं कि मच्छर मार दवा छिड़काव के नाम पर अधिशासी अधिकारी ने लाखों रुपए का बजट सरकारी खजाने से निकाल लिया है नगर वासियों को इंतजार था कि दीपावली के पर्व पर नाला की सफाई और छिड़काव जरूर नगर पंचायत द्वारा कराई जाएगी लेकिन दीपावली के पर्व पर भी नाले की सफाई नगर पंचायत द्वारा नहीं कराई गई है त्योहार पर सफाई ना होने से नगर वासियों में जबरदस्त आक्रोश व्याप्त है।

सम्पादकीय

कार्बन घटाने का लक्ष्य

भारत की तरफ से तय किए गए इन लक्ष्यों की अहमियत इस बात में है कि ये हवाई नहीं हैं, हासिल किए जा सकते हैं। मगर इन तक पहुंचना आसान भी नहीं होगा। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी ने यह स्पष्ट करने में संकोच नहीं किया कि अन्य देशों को भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझनी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ग्लासगो सम्मेलन में यह कहकर एकबारगी सबको चौंका दिया कि भारत 2070 तक जीरो कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल कर लेगा। जीरो कार्बन उत्सर्जन का मतलब है कि कार्बन तो उत्सर्जित होगा, पर वह उस स्तर के ऊपर नहीं जाएगा, जितने तक पृथ्वी का वातावरण जज्ब कर सकता है। साल 2070 की यह समयसीमा हालांकि अमेरिका और यूरोपियन यूनियन (ईयू) की 2050 और चीन की 2060 की डेडलाइन से आगे है, और इसलिए हो सकता है कुछ ग्रीन एक्टिविस्ट्स को इससे निराशा हुई हो, लेकिन सम्मेलन में शामिल डेलीगेट्स की अपेक्षाओं और व्यावहारिक तकाजों को ध्यान में रखते हुए देखा जाए तो यह कोई छोटी बात नहीं कि दुनिया के चौथे सबसे बड़े कार्बन उत्सर्जक देश ने जीरो कार्बन उत्सर्जन को लेकर समयबद्ध प्रतिबद्धता जाहिर की। दूसरे, यह 50 साल आगे की दी हुई एकमात्र प्रतिबद्धता नहीं है। जो पांच संकल्प भारत ने वहां व्यक्त किए, उनमें यह भी है कि 2030 तक वह कार्बन उत्सर्जन में एक अरब टन की कमी लाएगा और यह भी कि इन दस वर्षों में वह ऊर्जा की अपनी कुल जरूरतों का आधा हिस्सा अक्षय ऊर्जा स्रोतों से पूरी करने लगेगा।

भारत द्वारा तय किए गए इन लक्ष्यों की अहमियत इस बात में है कि ये हवाई नहीं हैं, हासिल किए जा सकते हैं। मगर इन तक पहुंचना आसान भी नहीं होगा। इसीलिए प्रधानमंत्री मोदी ने यह स्पष्ट करने में संकोच नहीं किया कि अन्य देशों को भी अपने हिस्से की जिम्मेदारी समझनी होगी। यहां यह समझना भी जरूरी है कि उत्सर्जित कार्बन की कुल मात्रा के आधार पर भारत को दुनिया का चौथा सबसे बड़ा कार्बन उत्सर्जक बता देने भर से पूरी तस्वीर सामने नहीं आती। तस्वीर का दूसरा पहलू तब सामने आता है, जब हम प्रति व्यक्ति कार्बन उत्सर्जन के आंकड़ों पर नजर डालते हैं। यहां अमेरिका (15.5 टन), रूस (12.5 टन) चीन (8.1 टन) और ईयू (6.5 टन) के मुकाबले भारत (1.9 टन) कहीं नहीं ठहरता। इन देशों की बराबरी तक पहुंचने के लिए अभी भारत को काफी लंबी विकास यात्रा तय करनी है। इसके बावजूद भारत यह समझता है कि पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन के सवाल ऐसे नहीं हैं, जिन पर कौन ज्यादा दोषी और कौन कम दोषी जैसी बहस की जाए। लेकिन यह तो देखना ही होगा कि कोई भी देश अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभाने में कोताही न बरते। इस लिहाज से विकसित देश अभी तो जलवायु परिवर्तन के मद के लिए सालाना 100 बिलियन डॉलर जुटाने का काम भी नहीं कर पाए हैं लेकिन सचाई यह है कि यह रकम जरूरत से बहुत कम है। प्रधानमंत्री मोदी ने ठीक ही कहा कि विकसित देशों को यह रकम जल्द से जल्द 1 ट्रिलियन डॉलर कर देनी चाहिए। इससे भारत जैसे देशों को अपना संकल्प पूरा करने के लिए जरूरी मदद मिल सकेगी और पृथ्वी पर जीवन बचाए रखने का उद्देश्य प्राप्त किया जा सकेगा।

दीपावली सुख और समृद्धि के साथ ही शांति का भी पर्व है

ललित गर्ग

हम उजालों की वास्तविक पहचान करें, अपने आप को टटोलें, अपने भीतर के काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर आदि कषायों को दूर करें और उसी मार्ग पर चलें जो मानवता का मार्ग है। हमें समझ लेना चाहिए कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, वह बार-बार नहीं मिलता। भारतभूमि का सबसे बड़ा पर्व है दीपावली। गत दो वर्षों में हम कोरोना महामारी के कारण यह पर्व यथोचित तरीके से नहीं मना पाये, इसलिये इस वर्ष का दीपावली पर्व अनेक दृष्टि से महत्वपूर्ण है। इस वर्ष दीपावली के महानायक श्रीराम का मन्दिर अयोध्या में बनने लगा है, इसलिये भी महत्वपूर्ण है। अयोध्या में तो दीपावली के अनूठे रंग दिखेंगे ही, देश में भी उत्साह एवं उत्सव की अनेक कड़ियां जुड़ेंगी, जिनमें इंसानी मेलजोल के नये आयाम होंगे, तम को, दरिद्रता को, महंगाई को, अराष्ट्रीयता को, महामारी को दूर करने की मिलीजुली कोशिश होगी। तम को जीवन के हर कोने से बुहारा जायेगा। जैसे लक्ष्मी पूजन कर ऐश्वर्य की कामना की जायेगी, वैसे ही मनो-मालिन्य एवं कलुषताओं को मिटाने के प्रयत्न होंगे। दीपावली आत्मा को मांजने एवं उसे उजला करने का उत्सव है। अमावस की रात को हर दीप रोशनी की लहर बनाता है, उजाले की नदी में अपना योगदान देता है। दीपोत्सव के लिये हर अंजुरी महत्वपूर्ण है। हमें चीन-निर्मित कृत्रिम प्रकाश-बल्बों की बजाय एक बाती, अंजुरी-भर तेल और राह-भर प्रकाश करना है। दीपक जिस ज्वलंत शिखा को उठाये जागृत होते हैं, वह महज समृद्धि की कामना या विजयोत्सव का ही प्रतीक नहीं है, बल्कि वह भारतीय संस्कृति एवं उसकी जीवंतता का उद्घोष है। यह एक कालजयी ऐलान है विजय का, स्व-पहचान का, स्व-संस्कृति का एवं अपनी जड़ों से जुड़ने का, आत्म-साक्षात्कार का। आत्मा का स्वभाव है उत्सव। प्राचीन काल में साधु-संत हर उत्सव में पवित्रता का समावेश कर देते थे ताकि विभिन्न क्रिया-कलापों की भाग-दौड़ में हम अपनी एकाग्रता या फोकस न खो दें। रीति-रिवाज एवं धार्मिक अनुष्ठान (पूजा-पाठ) ईश्वर के प्रति कृतज्ञता या आभार का प्रतीक ही तो हैं। ये हमारे उत्सव में गहराई लाते हैं। दीपावली में परंपरा है कि हमने जितनी भी धन-संपदा कमाई है उसे अपने सामने रख कर प्रचुरता (तृप्ति) का अनुभव करें। जब हम अभाव का अनुभव करते हैं तो अभाव बढ़ता है, परन्तु जब हम अपना ध्यान प्रचुरता पर रखते हैं तो प्रचुरता बढ़ती है। चाणक्य ने अर्थशास्त्र में कहा है, धर्मस्य मूलं अर्थः अर्थात सम्पन्नता धर्म का आधार होती है। जिन लोगों को आध्यात्मिक ज्ञान नहीं है, उनके लिए दीपावली वर्ष में केवल एक बार आती है, परन्तु ज्ञानियों के लिए हर दिन और हर क्षण दीपावली है। हर जगह ज्ञान की आवश्यकता होती है। यहाँ तक कि यदि हमारे परिवार का एक भी सदस्य दुःख के तिमिर में डूबा हो तो हम प्रसन्न नहीं रह सकते। हमें अपने परिवार के प्रत्येक सदस्य के जीवन में और फिर इसके आगे समाज के हर सदस्य के जीवन में और फिर इस पृथ्वी के हर व्यक्ति के जीवन में, ज्ञान का प्रकाश फैलाने की आवश्यकता है। जब सच्चे ज्ञान का उदय होता है, तो उत्सव को और भी बल मिलता है।

यजुर्वेद में कहा गया है-तन्मे मनः शिवसंकल्पमस्तु- हमारे इस मन से सद् इच्छा प्रकट हो। वह दीपावली ज्ञान के साथ मनाएँ और मानवता की सेवा करने का संकल्प लें। अपने हृदय में प्रेम का एवं घर में प्रचुरता-तृप्ति का दीपक जलाएं। इसी प्रकार दूसरों की सेवा के लिए करुणा का एवं अज्ञानता को दूर करने के लिए ज्ञान का और ईश्वर द्वारा हमें प्रदत्त उस प्रचुरता के लिए कृतज्ञता का दीपक जलाएं। यह बात सच है कि मनुष्य का रूझान हमेशा प्रकाश की ओर रहा है। अंधकार को उसने कभी न चाहा न कभी माँगा। ह्यतमसो मा ज्योतिगर्मय भक्त की अंतर भावना अथवा प्रार्थना का यह स्वर भी इसका पुष्ट प्रमाण है। अंधकार से प्रकाश की ओर ले चल इस प्रशस्त कामना की पूर्णता हेतु मनुष्य ने खोज शुरू की। उसने सोचा कि वह कौन-सा दीप है जो मंजिल तक जाने वाले पथ को आलोकित कर सकता है। अंधकार से घिरा हुआ आदमी दिशाहीन होकर चाहे जितनी गति करे, सार्थक नहीं हुआ करती। आचरण से पहले ज्ञान को, चरित्र पालन से पूर्व सम्यक्त्व को आवश्यक माना गया है। ज्ञान जीवन में प्रकाश करने वाला होता है। शास्त्र में भी कहा गया- ह्यनाणं पयासयरं अर्थात ज्ञान प्रकाशकर है। इसलिये सूनी राह पर, अकेले द्वार पर, कुएं की तन्हा मेड़ पर और उजाड़ तक में दीप रखने चाहिए। कोई भूले-भटके भी कहीं किसी राह पर निकले, तो उसे अंधेरा न मिले। इस रात हरेक के लिये उजाला जुटा दे, ताकि कोई भेदभाव न रहे, कोई ऊंच-नीच न रहे, अमीरी-गरीबी का भेद मिट जाये।

हमारे भीतर अज्ञान का तमस छाया हुआ है। वह ज्ञान के प्रकाश से ही मिट सकता है। ज्ञान दुनिया का सबसे बड़ा प्रकाश दीप है। जब ज्ञान का दीप जलता है तब भीतर और बाहर दोनों आलोकित हो जाते हैं। अंधकार का साम्राज्य स्वतः समाप्त हो जाता है। ज्ञान के प्रकाश की आवश्यकता केवल भीतर के अंधकार मोह-मूर्च्छा को मिटाने के लिए ही नहीं, अपितु लोभ और आसक्ति के परिणामस्वरूप खड़ी हुई पर्यावरण प्रदूषण, राजनीतिक प्रदूषण, भ्रष्टाचार और अनैतिकता जैसी बाहरी समस्याओं को सुलझाने के लिए भी जरूरी है। आज विज्ञान का युग है। सारी मानवता विनाश के कगार पर खड़ी है। मनुष्य के सामने अस्तित्व और अनस्तित्व का प्रश्न बना हुआ है। विश्वभर में हत्या, लूटपाट, दिखावा, छल-फरेब, बेईमानी, युद्ध एवं आतंकवाद का प्रसार है। मानव-जाति अंधकार में घिरती जा रही है। विवेकी विद्वान उसे बचाने के प्रयास में लगे भी हैं। सत्य, दया, क्षमा, कृपा, परोपकार आदि के भावों का मूल्य पहचाना जा रहा है। ऐसी स्थिति में उपनिषद का ह्यतमसो मा ज्योतिर्गमय वाक्य उनका मार्गदर्शन करने वाला महावाक्य है। उस ज्योति की गंभीरता सामान्य ज्योति से बढ़कर ब्रह्म तक पहुँचनी चाहिए। उस ब्रह्म से ही सारे प्राणी पैदा होते हैं, उसमें ही रहते हैं और मरने के बाद उसमें ही प्रवेश कर जाते हैं। उस दिव्य ज्योति की अभिवंदना सचमुच समय से पहले, समय के साथ जीने की तैयारी का दूसरा नाम है।

जीवन के ह्रस और विकास के संवादी सूत्र हैं- अंधकार और प्रकाश। अंधकार स्वभाव नहीं, विभाव है। वह प्रतीक है हमारी वैयक्तिक दुर्बलताओं का, अपाहिज सपनों और संकल्पों का। निराश, निष्क्रिय, निरुद्देश्य जीवन शैली का। स्वीकृत अर्थशून्य सोच का। जीवन मूल्यों के प्रति टूटती निष्ठा का। विधायक चिन्तन, कर्म और आचरण के अभाव का। अब तक उजालों ने ही मनुष्य को अंधेरों से मुक्ति दी है, इन्हीं उजालों के बल पर उसने ज्ञान को अनुभूत किया अर्थात सिद्धांत को व्यावहारिक जीवन में उतारा। यही कारण है कि उसका वजूद आज तक नहीं मिटा। उसकी दृष्टि में गुण कोरा ज्ञान नहीं है, गुण कोरा आचरण नहीं है, दोनों का समन्वय है। जिसकी कथनी और करनी में अंतर नहीं होता, वही समाज में आदर के योग्य बनता है।

हम उजालों की वास्तविक पहचान करें, अपने आप को टटोलें, अपने भीतर के काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर आदि कषायों को दूर करें और उसी मार्ग पर चलें जो मानवता का मार्ग है। हमें समझ लेना चाहिए कि मनुष्य जीवन बहुत दुर्लभ है, वह बार-बार नहीं मिलता। समाज उसी को पूजता है जो अपने लिए नहीं दूसरों के लिए जीता है। इसी से गोस्वामी तुलसीदासजी ने कहा है- ह्यपरहित सरिस धरम नहीं भाई। स्मरण रहे कि यही उजालों को नमन है और यही उजाला हमारी जीवन की सार्थकता है। जो सच है, जो सही है उसे सिर्फ आंख मूंदकर मान नहीं लेना चाहिए। खुली आंखों से देखना परखना भी चाहिए। प्रमाद टूटता है तब व्यक्ति में प्रतिरोधात्मक शक्ति जागती है। वह बुराइयों को विराम देता है। इस पर्व के साथ जुड़े मयार्दा पुरुषोत्तम राम, भगवान महावीर, दयानंद सरस्वती, आचार्य तुलसी आदि महापुरुषों की आज्ञा का पालन करके ही दीपावली पर्व का वास्तविक लाभ और लुफ्त उठा सकते हैं। इस वर्ष दीपावली का पर्व मनाते हुए हम अधिक प्रसन्न एवं उत्साहित हैं, क्योंकि सदियों बाद हमारे आराध्य भगवान श्रीराम का मन्दिर अयोध्या में बन रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रयासों से इस वर्ष दीपावली का पर्व वास्तविक एवं सार्थक होने जा रहा है। हर हिन्दू एवं आस्थाशील व्यक्ति श्रीराम के अखंड ज्योति प्रकट करने वाले संदेश को अपने भीतर स्थापित करने का प्रयास करें, तो संपूर्ण विश्व में, निरोगिता, अमन, अयुद्ध, शांति, सुशासन और मैत्री की स्थापना करने में कोई कठिनाई नहीं हो सकेगी तथा सर्वत्र खुशहाली देखी जा सकेगी और वैयक्तिक जीवन को प्रसन्नता और आनंद के साथ बिताया जा सकेगा।

बस्तर में क्यों कम हुआ माओवादियों का असर कोरोना के बाद कैसे बदल गए हालात

चंद्रभूषण

कुछ समय पहले तक बस्तर देश का सबसे बड़ा जिला था लेकिन अभी यह सात जिलों में बंट गया है और इस पूरे इलाके को एक कमिश्नरी बना दिया गया है। इसी बस्तर कमिश्नरी के सुकमा जिले के आदिवासी गांव मिनपा से हमने अक्टूबर के आखिरी हफ्ते में यूनिसेफ द्वारा आयोजित अपने दौरे की शुरूआत की। बस्तर में कई इलाके ऐसे हैं, जहां सरकारी मशीनरी की पैठ लंबे अर्से से ना के बराबर है। ऐसे ही कुछ गांवों में बच्चों और महिलाओं के स्वास्थ्य से जुड़ी गैर-सरकारी पहलकदमियों को यूनिसेफ अपना समर्थन दे रहा है।

महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और उड़ीसा से घिरा दक्षिणी छत्तीसगढ़ फिलहाल नक्सल आंदोलन की सीपीआई (माओवादी) धारा का सबसे मजबूत गढ़ है। बस्तर के शहरी इलाके पूरी तरह हिंदीभाषी हैं और देश के किसी भी अन्य हिंदीभाषी इलाके की तुलना में अधिक विनम्रता और मदद करने की इच्छा यहां के लोगों में साफ नजर आती है। लेकिन स्थानीय अखबारों को सरसरी तौर पर देखें तो प्रायः रोज ही दस-पंद्रह माओवादी यहां के जंगलों में पुलिस के सामने सरेंडर करते हैं और दो-तीन उस पर हमला करने के प्रयास में मारे जाते हैं।

साल-डेढ़ साल पुरानी खबरों पर गौर करें तो इसी साल अप्रैल के पहले हफ्ते में 22 सुरक्षाकर्मी सुकमा जिले में ही बारूदी सुरंग से किए गए हमले में शहीद हुए और लगभग इतने ही बुरी तरह जख्मी हुए, जबकि पिछले साल मार्च में उसी मिनपा गांव में, जहां जाकर कुछ घंटे बिताने का मौका हमें मिला, लगभग ढाई सौ माओवादियों द्वारा घेरा डालकर किए गए हमले में 17 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे और उनकी लाशें मुठभेड़ के काफी समय बाद बरामद की जा सकी थीं।

अपने अनुभव पर लौटूं तो सुबह सुकमा शहर से चलकर हम दिन में ग्यारह बजे के आसपास तीन गाड़ियों से कोंटा ब्लॉक के छोटे से बाजार चिंतागुफा पहुंचे, जहां इलाके का एकमात्र प्राइमरी हेल्थ सेंटर (पीएचसी) मौजूद है। यहां से हमें करीब 25 किलोमीटर दूर मिनपा गांव जाना था, जहां साम्यभूमि की ओर से एक सब-हेल्थ सेंटर (एसएचसी) चलाया जा रहा था। एसएचसी सरकारी स्वास्थ्य ढांचे की सबसे निचली इकाई है। कोंटा ब्लॉक के तहत आने वाले कुल 150 गांवों के लिए 97 एसएचसी की मान्यता सरकार ने दे रखी है लेकिन इनमें 85 ही सक्रिय हैं। बाकी 12 के लिए सरकार यूनिसेफ की सहायता ले रही है, जो यह काम किसी एनजीओ के जरिये संपन्न करता है। हमें मिनपा ले जाने का अघोषित कारण इसका एक बड़े नक्सल हमले की जगह होना भी रहा होगा, लेकिन यूनिसेफ के लिए इस गांव के साथ सबसे खास बात यह जुड़ी थी कि मिनपा के लोगों ने यहां एसएचसी चलाने के लिए एक झोपड़ी बनाकर एनजीओ साम्यभूमि को सौंपी थी। स्कूलों का इस्तेमाल जहां सशस्त्र बलों के कैंप के रूप में होता हो और इसे रोकने के लिए डाइनेमाइट लगाकर स्कूल ढहा दिए जाते हों, भेदिया मान लिए जाने के खौफ में जहां लोग सालोंसाल किसी सरकारी कर्मचारी की शक्ल नहीं देखते, उंगली में वोटिंग की स्याही दिखने पर हाथ काट लिए जाने के डर से जहां 95 फीसदी लोगों ने पिछले तीस वर्षों से किसी चुनाव में वोट न डाला हो, वहां एक घर बनाकर किसी अजनबी को सौंप देना यकीनन जनता की एक बड़ी पहलकदमी है। इसमें कुछ भूमिका कोरोना महामारी की भी हो सकती है, जिसके चलते माओवादियों को अपने कुछ बड़े नेताओं और कार्यकताओं का नुकसान उठाना पड़ा।

चिंतागुफा से मिनपा का रास्ता मैंने एक मोटरसाइकिल की पिछली सीट पर तय किया, जिसे एनजीओ साम्यभूमि के प्रमुख आदर्श चला रहे थे। सहरसा (बिहार) के रहने वाले आदर्श मेकेनिकल इंजीनियर हैं। सुकमा में वे पांच-छह वर्षों से काम कर रहे हैं और एनजीओ दो साल पहले बनाया है। हमारे आने की सूचना उन्होंने सशस्त्र बलों को पहले से दे रखी थी सो आठ चौकियां हमने बिना किसी रोकटोक के पार लीं। लेकिन लगभग एक हजार जवानों की तैनाती वाले मिनपा कैंप पर एके-47 और इंसास राइफलों से लैस कई जवानों ने हमें अचानक घेर लिया और आदर्श द्वारा पूर्वसूचना का हवाला दिए जाने के बावजूद उन्होंने हमारे ग्रुप में मौजूद हर व्यक्ति की जामातलाशी ली।

यह वही जगह थी जहां मार्च 2020 में 17 जवान शहीद हुए थे। तलाशी पूरी हो जाने पर मैंने चारों तरफ घूमकर देखा तो लगा जैसे उस घटना की हतक अब भी इस वीराने पर छपी हुई है। घने जंगल के बीच में कोई सौ मीटर चौड़ाई वाली निमार्णाधीन सड़क किसी लाइलाज घाव जैसी नजर आती है। सशस्त्र बलों का कैंप वहां एक ऊंची जगह पर है। यह सड़क जब बनकर तैयार होगी तो चिंतागुफा बाजार इसके जरिये दोरनापाल-जगरगुंडा रोड से जुड़ जाएगा और सशस्त्र बल जंगल में घुसते वक्त खुद को अभी जितना असहाय नहीं महसूस करेंगे। मिनपा में एक पत्रकार की सबसे बड़ी उत्सुकता यही हो सकती थी कि वह लोगों से नक्सल आंदोलन के बारे में उनकी राय जाने। इसके कार्यकताओं को लोग यहां दादा कहते हैं। पता चला, अगले गांव एल्मागुंडा में दादा लोगों का असर ज्यादा है। 2020 के हमले से पहले सशस्त्र बलों को वहीं उनकी मौजूदगी की सूचना मिली थी। मैंने बुजुर्ग महिलाओं से उस दौर के बारे में पूछा, जब ह्यदादा लोग इस इलाके में नहीं आए थे। उन्होंने बताया कि फॉरेस्ट वाले लकड़ी काटने पर टांगी उठा ले जाते थे और कभी-कभी गांव में ही मुर्गा-भात बनवाकर खाते थे। लेकिन किसी भी सरकारी अमले की ओर से अत्याचार की कोई घटना मिनपा में नहीं सुनी गई। पंद्रह साल से बंद पड़े अपने गांव के मिडल स्कूल और आश्रम (हॉस्टल) को दोबारा शुरू करना उन्हें जरूरी लग रहा था। आधार कार्ड, राशन कार्ड वगैरह के लिए उनका एक प्रतिनिधिमंडल सुकमा में जिला कलेक्टर से भी मिलकर आया था। माओवादियों की तरफ से मिलने वाली वर्दी और बंदूक का आकर्षण इस गांव के किसी व्यक्ति के मन में अगर होगा तो हमारी पहुंच उस तक नहीं बन पाई। बताते हैं, जमीनी माओवादी ढांचे में 40 फीसदी हिस्सेदारी आदिवासी युवतियों की है, लेकिन इस श्रेणी में हमारी बात सिर्फ गांव के दो नर्सिंग स्टाफ से हो पाई।

पीएम के केदारनाथ दौरे से ठीक पहले देवस्थानम बोर्ड पर क्यों उबले तीर्थ पुरोहित

चारु तिवारी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के केदारनाथ दौरे से ठीक दो दिन पहले देवस्थानम बोर्ड को भंग करने की मांग को लेकर तीर्थ पुरोहितों का गुस्सा फूट पड़ा। नाराज तीर्थ पुरोहितों ने केदारनाथ में पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र रावत को मंदिर जाने से रोक दिया। राज्य के कैबिनेट मंत्री धन सिंह रावत और बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक का तीर्थ पुरोहितों ने काफी देर तक घेराव किया। गंगोत्री में आंदोलन तेज करते हुए बाजार बंद किए और रैलियां निकालीं। तीर्थ पुरोहितों ने घोषणा की है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं तो वे प्रधानमंत्री के दौरे का भी विरोध करेंगे। तीर्थ पुरोहित बोर्ड के विरोध में 2019 से ही आंदोलन चल रहा है। लेकिन इन दिनों जिस तरह से उन्होंने अपना आपा खोया है, उससे सरकार की चिंताएं बढ़ गई हैं। चुनावी वर्ष होने के कारण बीजेपी के लिए इसे सुलझाना प्राथमिकता होगी। उल्लेखनीय है कि त्रिवेंद्र रावत के नेतृत्व वाली सरकार ने उत्तराखंड चारधाम देवस्थानम प्रबंधन अधिनियम-2019 के तहत एक भारी-भरकम बोर्ड का गठन कर चार धामों के अलावा 51 मंदिरों का प्रबंधन अपने हाथों में ले लिया। सरकार का कहना था कि लगातार बढ़ रही यात्रियों की संख्या और इस क्षेत्र को पर्यटन व तीर्थाटन की दृष्टि से मजबूत करने के उद्देश्य के मद्देनजर सरकार का नियंत्रण जरूरी है। सरकारी नियंत्रण में बोर्ड मंदिरों के रखरखाव और यात्रा के प्रबंधन का काम बेहतर तरीके से करेगा। सरकार दावा करती रही कि बोर्ड के गठन से तीर्थ पुरोहितों के हितों पर कोई असर नहीं पड़ेगा। तब से लेकर अब तक तीर्थ पुरोहितों के अलावा एक बड़ा तबका सरकार के इस फैसले के विरोध में है। उसका कहना है कि सरकार इस बोर्ड की आड़ में उसके हक-हकूकों को समाप्त करना चाह रही है। समय-समय पर वह धरना, प्रदर्शन और अनशन के माध्यम से अपना विरोध दर्ज करते रहे हैं।बीजेपी लंबे समय से केदारनाथ के पुनर्निर्माण को प्रधानमंत्री का ड्रीम प्रॉजेक्ट बताकर प्रचारित करती रही है। केंद्र में 2014 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रही सरकार ने केदारनाथ का कोई भी मुद्दा अपने हाथ से नहीं जाने दिया। पिछले लोकसभा चुनाव के बीच जब प्रधानमंत्री केदारनाथ जाकर ध्यान गुफा में 17 घंटे ध्यानस्थ रहे तो उसे बीजेपी ने अपने तरीके से प्रचारित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने इस क्षेत्र से अपने पुराने रिश्तों की दुहाई देकर और यहां के पुनर्निर्माण को प्राथमिकता देकर कई परियोजनाओं को मंजूरी दी। इसी के तहत बद्रीनाथ को भी नए मास्टर प्लान के साथ नई टाउनशिप में बदलने का प्रारूप तैयार किया गया।केंद्र और राज्य सरकार की इन तमाम कोशिशों के बावजूद तीर्थ पुरोहितों और जनता का असंतोष कम होने का नाम नहीं ले रहा है। फिलहाल तीर्थ पुरोहितों का गुस्सा इस बात पर है कि सरकार ने 2019 में जो देवस्थानम बोर्ड की घोषणा की थी उसे वापस नहीं लिया जा रहा है। प्रधानमंत्री के दौरे से पहले वहां का जायजा लेने गए बीजेपी के तीन बड़े नेताओं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, मदन कौशिक और धन सिंह रावत को तीर्थ पुरोहितों के गुस्से का शिकार इसलिए होना पड़ा कि सरकार अपने वादे पर खरी नहीं उतरी है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपना कार्यभार संभालने के बाद 11 सितंबर, 2021 को तीर्थ पुरोहितों को अपने आवास में बुलाकर आश्वस्त किया था कि 30 अक्टूबर तक इस मामले को सुलझा लिया जाएगा। पुरोहितों को इस बात पर भी रोष है कि मनोहर कांत ध्यानी ने कहा है कि बोर्ड को किसी कीमत पर भंग नहीं किया जाएगा। अगर पुरोहित समाज को इसके प्रावधानों से दिक्कत है तो उस पर विचार किया जा सकता है। इससे पहले जब त्रिवेंद्र रावत की जगह तीरथ सिंह रावत को मुख्यमंत्री बनाया गया तो उन्होंने कहा कि वह बोर्ड के गठन के औचित्य की समीक्षा करेंगे। उन्होंने यह घोषणा भी की कि इस बोर्ड के दायरे में आने वाले 51 मंदिरों को मुक्त रखा जाएगा। फिलहाल तीर्थ पुरोहितों ने प्रधानमंत्री के केदारनाथ दौरे के दो दिन पहले जिस तरह अपना आक्रोष व्यक्त किया है, उससे सरकार और बीजेपी की चिंताएं स्वाभाविक हैं। चुनावी वर्ष में सरकार इस मामले को किसी भी तरह सुलझाना चाहेगी।

अफगानिस्तान पर भारत की दोहरी चाल

हर्ष वी. पंत

अफगानिस्तान को लेकर पश्चिमी देशों, पाकिस्तान, चीन और रूस को उम्मीद थी कि जिस तरह की जीत तालिबान को मिली है, वहां स्थिरता काफी जल्दी आ सकती है। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। अब वहां जिस तरह के हालात बन रहे हैं, उसे देखते हुए अंतरराष्ट्रीय चिंता बढ़ती जा रही है। वहां मानवीय संकट पैदा हो रहा है, लोगों के पास खाने को अनाज नहीं है। इसलिए दुनिया और खासकर अफगानिस्तान के पड़ोसी देश सोच रहे हैं कि इसका समाधान क्या हो। इस पर रूस और ईरान अपनी बैठक कर चुके। भारत भी अपना समिट करने वाला है। अफगानिस्तान की जमीनी हकीकत न सिर्फ बड़ी तेजी से बदली है, बल्कि ऐसी दिशा में चली गई है कि इसे अभी काबू में ना किया गया, तो आने वाले समय में, खासकर सर्दियों में हालत और खराब होने की उम्मीद है। अगर वहां मानवीय संकट बढ़ता है तो न सिर्फ पड़ोसी देशों की परेशानी बढ़ेगी, बल्कि पश्चिमी देशों पर भी काफी प्रेशर आएगा। रोम में हुए जी-20 और बाकी सम्मेलनों को इसी लिहाज से समझना होगा। हर कोई चाहता है कि उसका तालिबान में स्टेटस बढ़े, लेकिन इसमें किसी को कोई खास फायदा नहीं हो रहा है। वहां जैसी मानव आपदा दिख रही है, उसके चलते आतंकवाद और शरणार्थियों की समस्या बढ़ेगी।

इसे काबू में करने के लिए रूस, चीन, अमेरिका और पाकिस्तान के बीच एक मीटिंग हुई थी। फिर मॉस्को में मीटिंग हुई, जिसमें भारत भी शामिल हुआ। 27 अक्टूबर को तेहरान में मीटिंग हुई और इसी महीने भारत में भी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की मीटिंग होनी है। अब भारत दो चीजें कर रहा है। एक तो वह बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहा है। दूसरे, वह इस मसले पर खुद की मीटिंग बुला रहा है। यह काफी रोचक है, क्योंकि पहले भारत कहता था कि हम दूर बैठकर बस हालात देखेंगे। भारत के रूस या ईरान से बदलते रिश्तों का भी इस मामले में प्रभाव पड़ रहा है। शुरू में हमने देखा कि रूस ने चीन और पाकिस्तान को मजबूती से सपोर्ट किया। फिर हालात बदले तो रूस को लगा कि भारत के साथ मेलजोल बहुत जरूरी है। वहीं ईरान की शिया-सुन्नी वाली समस्या काफी जहरीली है। अफगानिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हमलों पर ईरान ने काफी कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उसने 27 तारीख वाली मीटिंग में भारत को न्योता नहीं दिया था। माना जा सकता है कि क्वाड समिट को लेकर ईरान अपनी नाराजगी जाहिर कर रहा है। उधर, अमेरिका के साथ भारत के रिश्ते मजबूत हो रहे हैं। नब्बे के दशक से तुलना करें तो आज दोनों देशों के रिश्ते बिलकुल अलग हैं। पहले अमेरिका तालिबान समर्थक रुख दिखा रहा था, लेकिन पिछले डेढ़ महीने में वह भारत के रुख का समर्थन कर रहा है। यह नया डिवेलपमेंट है और इसका प्रभाव नई पॉलिसी पर पड़ रहा है। पिछले कुछ समय से भारत का यही मानना रहा है कि अफगानिस्तान को मानवीय सहायता मिलनी चाहिए। हालांकि, वह यह मदद तालिबान के जरिये नहीं करना चाहता है। उसका तर्क है कि मानवीय सहायता देने के लिए हमारे पास स्वायत्त तंत्र होना चाहिए। भारत ने यह बात पहले भी कही है कि तालिबान को योजना बनानी होगी और बताना होगा कि राहत सामग्री का वितरण वह कैसे करेगा।

जहां तक मानवीय सहायता का सवाल है, वह तालिबान को न देकर इंटरनैशनल एजेंसियों को दी जाए और तालिबान इन्हें बांटने के लिए एजेंसियों को रास्ता दे। भारत ने इस मुद्दे को फ्रेम किया है और सारे देश इसके लिए तैयार हैं। कोई नहीं चाहता कि इसे तालिबान के जरिए इसे बांटा जाए क्योंकि इससे दो चीजें हो सकती हैं। एक तो तालिबान को लगेगा कि उसे मान्यता मिल रही है। दूसरे, वह राहत सामग्री का इस्तेमाल अपने एजेंडे को बढ़ाने के लिए करेगा, न कि इसे जरूरतमंदों तक पहुंचाएगा। आने वाली बैठकों में तय हो सकता है कि किस तरह से अंतरराष्ट्रीय समुदाय मदद देगा।

हालांकि, अभी अंतरराष्ट्रीय राजनीति में जिस तरह का बिखराव है। पाकिस्तान के साथ चीन है और पश्चिमी देश एक तरफ हैं। ऐसे में यह संभावना कम हो जाती है कि इसे लेकर कोई वैश्विक सहमति बनेगी। अमेरिका आतंकवाद विरोधी कार्रवाई के लिए पाकिस्तान में ठिकाना चाहता है। वहीं, पाकिस्तान ने उसके साथ ऐसे किसी समझौते से इनकार किया है। पाकिस्तान बार-बार कह रहा है कि अफगानिस्तान की मदद होनी चाहिए और तालिबान को वैधता मिलनी चाहिए, जिसे मानने वाले देश बहुत कम हैं। चीन और रूस भी, जिन्होंने शुरू में पाकिस्तान को समर्थन दिया था, वे भी अभी इसके लिए पूरी तरह तैयार नहीं हैं। जिस तरह से तालिबान सत्ता में आए और जिस तरह का शासन वे चला रहे हैं, अंतरराष्ट्रीय समुदाय उसे देखते हुए तालिबान को मान्यता देने को लेकर आश्वस्त नहीं है। दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह भी समस्या है कि जितनी इसमें देर लग रही है, उतनी ही वहां की हालत खराब होती जा रही है। भारत का जोर इस पर है कि जिस तरह की मान्यता या वित्तीय मदद आज तालिबान को चाहिए, उसे काफी सोच-विचार कर देना होगा, जिससे अफगानिस्तान के भविष्य में अंतरराष्ट्रीय समुदाय अपना योगदान पूरी तरह दे पाए। अगर ऐसा नहीं होगा तो तालिबान को मान्यता भी मिल जाएगी और अंतरराष्ट्रीय समुदाय जो बदलाव चाहता है, वे भी नहीं होंगे। ऐसे में भारत किस तरह से रूस, अमेरिका, इटली, स्पेन सहित बाकी देशों के साथ अपने संबंधों को लेकर एक सामूहिक रणनीति बनाता है, यह देखने लायक बात होगी। अपने पिछले जी-20 संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि अफगानिस्तान में एक सर्वमान्य सरकार होनी चाहिए। और अगर तालिबान को मानवीय मदद चाहिए तो उसे एक जिम्मेदार सहयोगी के रूप में काम करना होगा। इस सम्मेलन में भी प्रधानमंत्री ने कई देशों से मिलकर अफगानिस्तान की बात उठाई है, लेकिन फिलहाल अफगानिस्तान में जिस तरह से खाद्य और मानवीय समस्या बढ़ती नजर आ रही है, वह बहुत जल्द यह अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने चुनौती खड़ी करेगी।

मैथ्यू वेड की वजह से नहीं हो पाई एडम जाम्पा की हैट्रिक

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप में ऑस्ट्रेलिया ने गुरुवार को बांग्लादेश को 8 विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलिया की जीत में एडम जाम्पा का बड़ा योगदान रहा। उन्होंने 19 रन पर पांच विकेट लिए। जाम्पा इस वर्ल्ड कप में तीसरे हैट्रिक लेने वाले गेंदबाज बन सकते थे। लेकिन विकेटकीपर मैथ्यू वेड ने कैच ड्रॉप कर उन्हें ये कारनामा करने से रोक दिया। जाम्पा ने 11वें ओवर की आखिरी दो गेंदों में दो विकेट चटकाए थे। जाम्पा की हैट्रिक बॉल पर तस्कीन अहमद के

बल्ले का किनारा वेड के पास गई लेकिन विकेटकीपर वेड कैच नहीं पकड़ पाए।आईसीसी ने अपने ऑफिशियल अकाउंट से इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में कैच छोड़ने के बाद दोनों की बीच हुई बातचीत सुनाई दे रही है। कैच छूटने के बाद एडम जाम्पा मैथ्यू वेड से कह रहे हैं, 'यह मेरी हैट्रिक गेंद थी', जिस पर वेड ने जवाब दिया, 'हाँ, मैंने इसे पकड़ने की कोशिश की थी।' अगर वेड ये कैच पकड़ लेते तो जाम्पा की हैट्रिक होने के साथ-साथ इस मैच में 6 विकेट भी हो जाते। जाम्पा को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड लेने पहुंचे जाम्पा ने कहा, 'मैं अपने प्रदर्शन के साथ काफी खुश हूं। हैट्रिक बॉल पर जो कैच वेड के पास गई थी, वह काफी कठिन कैच था। मैंने 3 या 4 ओवर पहले लगातार 2 गेंदों पर 2 विकेट लिया था, एकबार के लिए मुझे लगा कि किसी को याद भी नहीं होगा कि मैं हैट्रिक पर हूं। ऐश्टन एगार की गैर मौजूदगी में आज मेरा रोल थोड़ा अलग था। राष्ट्रीय टीम के लिए 5 विकेट लेना हमेशा एक बढ़िया अनुभव होता है। टीम के अन्य गेंदबाजों ने भी काफी बढ़िया गेंदबाजी की।'

श्रीलंका ने वेस्टइंडीज का सेमीफाइनल में पहुंचने का सपना तोड़ा

टी-20 वर्ल्ड कप में जीत के साथ अपने अभियान का किया अंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। चरिथ असलंका और पथुम निसंका की अर्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन और उम्दा फील्डिंग के दम पर श्रीलंका ने गुरुवार को मौजूदा चैंपियन वेस्टइंडीज को 20 रन से हराकर आईसीसी टी-20 विश्व कप में जीत से अपने अभियान का अंत किया। श्रीलंका की पांच मैचों में इस दूसरी जीत से वेस्टइंडीज की सेमीफाइनल में पहुंचने की रही सही उम्मीद भी समाप्त हो गई। अब ग्रुप एक से इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका अंतिम चार में जगह बनाने की दौड़ में हैं।

असलंका ने बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों में 41 गेंदों पर 68 रन बनाए, जिसमें आठ चौके और एक छक्का शामिल है। उन्होंने निसांका (41 गेंदों पर 51 रन, पांच चौके) के साथ दूसरे विकेट के लिए 91 रन की साझेदारी की। इससे श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने पर तीन विकेट पर 189 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। वेस्टइंडीज के केवल दो बल्लेबाज शिमरोन हेटमायर (54 गेंदों पर नाबाद 81, आठ चौके, चार छक्के) और निकोलस पूरन (34 गेंदों पर 46 रन, छह चौके, एक छक्का) ही दोहरे अंक में पहुंचे और आखिर में उसकी टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना पाई। श्रीलंका की तरफ से वानिंदु हसरंगा, बिनुका फर्नांडो और चमिका करुणारत्ने दो-दो विकेट लिए।

वेस्टइंडीज की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने दूसरे ओवर में ही दोनों सलामी बल्लेबाजों क्रिस गेल (एक) और एविन लुईस (आठ) के विकेट गंवा दिए। बिनुरा फर्नांडो ने गेल को मिडऑफ पर कैच कराया और इसके बाद उनकी गेंद लुईस के बल्ले का किनारा लेकर विकेटों में समाई। गेल इस विश्व कप के चार मैचों में केवल 30 रन बना पाए हैं। पूपन भी जल्द पवेलियन पहुंच जाते लेकिन महेश थीकसाना, ने पहले अपनी ही गेंद पर और फिर फर्नांडो की गेंद पर उनका कैच छोड़ा। इन दो अवसरों को छोड़कर श्रीलंका की फील्डिंग शानदार रहा। पूरन ने जीवनदान का फायदा उठाकर लांग ऑन पर छक्का लगाया, लेकिन वेस्टइंडीज ने पावरप्ले में रोस्टन चेज (नौ) का विकेट गंवा दिया जिनका भानुका राजपक्षे ने शार्ट मिडविकेट पर डाइव लगाकर बेहतरीन कैच लिया। ऑफ स्पिनर थीकसाना ने फिर कसी गेंदबाजी की लेकिन वह सुपर 12 में विकेट लेने में नाकाम रहे। रन और गेंदों के बीच बढ़ते दायरे का दबाव बल्लेबाजों पर था जिसके प्रभाव में पूरन ने अपना विकेट गंवाया। करुणारत्ने ने उन्हें आउट करने के बाद आंद्रे रसेल (दो) को आते ही पवेलियन भेजा। दुष्मांता चमीरा पर छक्का जड़कर हाथ खोलने वाले हेटमायर ने करुणारत्ने पर लगातार तीन चौके लगाए जिससे 14वें ओवर में टीम का स्कोर 100 रन के पार पहुंचा, लेकिन हसरंगा ने गुगली पर कप्तान कीरोन पोलार्ड (शून्य) की गिल्लियां बिखेरने के बाद ड्वेन ब्रावो (दो) को बोल्ड करके वेस्टइंडीज की रही सही उम्मीद भी खत्म कर दी। हेटमायर ने इसके बाद तीन छक्के और दो चौके लगाए लेकिन इससे वह हार का अंतर ही कम कर पाए।

इससे पहले टॉस गंवाने के बाद पहले बल्लेबाजी के लिए उतरी श्रीलंका ने पावरप्ले के छह ओवरों में 48 रन बनाए और कुसल परेरा (21 गेंदों पर 29) रन का विकेट गंवाया। परेरा ने रवि रामपॉल पर डीप स्क्वायर लेग पर छक्का लगाया था लेकिन रसेल (33 रन देकर दो) ने उन्हें धीमी गेंद पर गच्चा देकर वापस कैच देने के लिए मजबूर किया। असलंका और निसंका ने यहां से रणनीतिक बल्लेबाजी की। उन्होंने लंबे शॉट खेलने के बजाय स्ट्राइक रोटेट करने पर ध्यान दिया और इसमें सफल भी रहे। इस बीच उन्होंने ढीली गेंदों को सीमा रेखा तक भी पहुंचाया और इस बीच वेस्टइंडीज के मध्यम गति के गेंदबाजों और स्पिनरों की नहीं चलने दी। श्रीलंका 12वें ओवर में तिहरे अंक में पहुंचा।निसंका ने रामपॉल की ऑफ साइड की गेंद को स्क्वायर लेग पर चार रन के लिए भेजा और फिर दो रन लेकर 39 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। यह इस फॉर्मेट में उनकी तीसरी फिफ्टी है। इसके बाद हालांकि ब्रावो की धीमी गेंद पर उनकी टाइमिंग सही नहीं थी और उन्होंने 'काउ कार्नर' पर आसान कैच दे दिया। असलंका ने 33 गेंदों पर अर्धशतक पूरा किया। उनका साथ देने के लिए कप्तान दासुन शनाका (14 गेंदों पर नाबाद 25) क्रीज पर उतरे जिन्हें लंबे शॉट खेलने के लिए जाना जाता है। शनाका ने होल्डर पर छक्का और चौका जड़कर अपने तेवर दिखाये तो असलंका ने ब्रावो की गेंद छह रन के लिए भेजी। इसके तुरंत बाद असलंका ने रसेल की गेंद हवा में लहराकर शिमरोन हेटमायर को कैच दिया।

पाकिस्तानी एक्ट्रेस ने बीसीसीआई पर लगाया बड़ा आरोप, आकाश चोपड़ा ने दिया मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 के 33वें मैच में बुधवार को अफगानिस्तान को 66 रनों से हराकर टूनार्मेंट में अपनी पहली जीत दर्ज की। टूनार्मेंट में बने रहने के लिए इस मुकाबले में भारत को हर हाल में बड़े अंतर से जीत दर्ज करनी थी और उसने ऐसा ही किया। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दो विकेट पर 210 रन का विशाल स्कोर बनाया और फिर अफगानिस्तान को सात विकेट पर 144 रन पर रोक दिया। भारत की इस जीत से पाकिस्तान बौखला गया है और उसने अब भारत पर मनगढंत आरोप लगाना शुरू कर दिया। पाकिस्तान की एक अभिनेत्री ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) पर अफगानिस्तान के खिलाफ मैच को 'खरीदने' का आरोप लगाया है। इस आरोप पर पूर्व भारतीय क्रिकेटर और मशहूर कमेंटेटर आकाश चोपड़ा ने करारा जवाब दिया है। आकाश ने मैच के

बाद ट्वीट किया, 'यह ऐसे किया जाता है। भारत आज भारत की तरह खेला।' आकाश के इस ट्वीट के बाद पाकिस्तान की अभिनेत्री सेहर शिनवारी ने उन्हें जवाब देते हुए कहा, 'बीसीसीआई ने एक अच्छा मैच खरीदा।' आकाश ने पाकिस्तानी अभिनेत्री के जवाब के कुछ देर बाद ही उन्हें एक बार फिर करारा जवाब देते हुए कहा, 'जिनके पास दिमाग नहीं होता है और अगर वो चुप ही रहे तो बेहतर है। भारत को अब सेमीफाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए ग्रुप 2 के अपने बचे हुए मैचों में नामीबिया और स्कॉटलैंड को बड़े अंतर से हराना होगा जबकि अफगानिस्तान से न्यूजीलैंड के हारने की दुआ करनी होगी। पाकिस्तान एकमात्र ऐसी टीम है जिसने अपने सभी चार ग्रुप मैच जीतकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। भारत को अपने पहले मैच में पाकिस्तान से जबकि दूसरे मैच में न्यूजीलैंड से हार का सामना करना पड़ा था।

राहुल द्रविड़ के टीम इंडिया का हेड कोच बनने पर बोले रविचंद्रन अश्विन, उनके पास क्रिकेट का अपार ज्ञान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी आफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने राहुल द्रविड़ को मुख्य कोच बनाए जाने के फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि उनके पास क्रिकेट का अपार ज्ञान है जो उपयोगी साबित होगा। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख के तौर पर काम कर चुके द्रविड़ को 2023 विश्व कप तक प्रभार दिया गया है। सुलक्षणा नाइक और आरपी सिंह की क्रिकेट सलाहकार समिति ने सर्वसम्मति से द्रविड़ को टीम इंडिया (सीनियर मेंस क्रिकेट टीम) का मुख्य कोच नियुक्त किया।

अश्विन की बुधवार को चार साल बाद पहली बार लिमिटेड ओवरों की क्रिकेट के प्लेइंग इलेवन में वापसी हुई, जहां उन्होंने टी20 विश्व कप 2021 में अफगानिस्तान के खिलाफ चार ओवर में 14 रन देकर दो विकेट चटकाए। भारत को अपना अगला मैच शुक्रवार को स्कॉटलैंड के खिलाफ खेलना है। अश्विन ने मैच से पूर्व एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा, 'राहुल भाई को

क्रिकेट का अपार ज्ञान है। वह एनसीए में काम कर चुके हैं और भारत ए टीम के साथ भी। उन्हें पता है कि क्या करना है। वह सारे युवा खिलाड़ियों को जानते हैं और मुझे उनके कार्यकाल का इंतजार है। मैं भी उनके साथ योगदान देना चाहूंगा।'

अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में 14 रन देकर दो विकेट लेने वाले अश्विन ने कहा कि यह सब उनके परिवार की बदौलत है चूंकि वह आठ दस महीने से बायो बबल में रह रहे हैं। उन्होंने कहा, 'बायो बबल का जीवन आसान नहीं होता। हम एक दूसरे के साथ नहीं है और समूहों में रहते हैं।पिछले आठ दस महीने से ऐसा ही है। परिवार के बिना यह संभव नहीं होता। उन्हें बहुत श्रेय जाता है।

राहुल द्रविड़ के भारतीय टीम के हेड कोच बनने पर सुनील गावस्कर ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि नए हेड कोच राहुल द्रविड़ के साथ भारतीय क्रिकेट प्रगति करेगा क्योंकि वह अपने साथ अपार अनुभव ही नहीं बल्कि अपने खेलने के दिनों वाली काम करने की वह शैली भी लेकर आएंगे। पूर्व कप्तान द्रविड़ को बुधवार को ही भारतीय क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। सुलक्षणा नाइक और आरपी सिंह की क्रिकेट सलाहकार समिति ने सर्वसम्मति से द्रविड़ को टीम इंडिया (सीनियर मेंस क्रिकेट टीम) का मुख्य कोच नियुक्त किया। भारत के पूर्व कप्तान द्रविड़ न्यूजीलैंड के खिलाफ 17 नवंबर से शुरू होने वाली घरेलू सीरीज से अपना कार्यभार संभालेंगे।द्रविड़ अब रवि शास्त्री की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। गावस्कर ने 'इंडिया टुडे' से कहा, 'भारतीय क्रिकेट आगे ही आगे जाएगा। वह अपने साथ अपार अनुभव और वह कार्यशैली लेकर आयेंगे जो अपने खेलने के दिनों में उन्होंने अपनाई थी।'भारत को टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड और नामीबिया के खिलाफ अगले दोनों मैच जीतने के अलावा बाकी टीमों के मैचों के नतीजे भी अनुकूल रहने की उम्मीद करनी होगी। गावस्कर ने कहा, 'इस टूनार्मेंट के बाद आपके पास एक नया कोच होगा और जितनी जल्दी उसकी नियुक्ति हो जाए, उतना अच्छा है क्योंकि उसके पास रणनीति बनाने का समय होगा। भारत को अभी दो मैच और खेलने हैं और उन्हें देखकर द्रविड़ को आगे की रणनीति तय करने में मदद मिलेगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार प्रदर्शन से आर अश्विन ने टी-20 में की वापसी, आलोचकों को दिया ये मुंहतोड़ जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने बुधवार को अफगानिस्तान के खिलाफ शानदार गेंदबाजी की। मैच के बाद अश्विन ने कहा कि एक विकेट लेने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ती है। ये ऐसा नहीं है कि क्रिकेट मैच के दौरान हो सकता है। भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में स्कॉटलैंड के खिलाफ होगा। टीम इंडिया को सेमीफाइनल के लिए क्वालीफिकेशन की दौड़ में बने रहने के लिए उसे बड़े अंतर से हराना होगा। अश्विन को वर्ल्ड कप टीम में शामिल करने पर कुछ लोगों ने सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि वो इसे फॉर्मेट के लिए थोड़ा डिफेंसिव हैं। उन्होंने मैच के बाद वर्चुअल प्रेस कॉन्फ्रेंस में अपने आलोचकों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए कहा कि बहुत से लोग जो खेल पर एक्सपर्ट ओपिनियन दे रहे थे, मुझे कभी-कभी उनके लिए दुख होता है। मैं 2007-08 से इस फॉर्मेट में खेल रहा हूं और हर दो साल में खेल में बदलाव आता है और ये हमें कुछ सिखाता है क्योंकि ये गेम बहुत तेज गति वाला है।'

उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि खेल की समझ अभी भी कई मायनों में पिछड़ी हुई है। मेरे लिए जब आप कहते हैं कि एक गेंदबाज को विकेट लेने होते हैं। तेज गेंदबाजों के लिए अलग-अलग योजनाएं होती हैं और स्पिनरों के लिए अलग-अलग योजनाएँ होती है। उन्होंने न्यूज एएनआई के एक सवाल के जवाब में ये कहा। उन्होंने आगे कहा कि आप एक टेस्ट मैच की तरह अलग-अलग लेंथ से गेंदबाजी नहीं कर सकते हैं। विकेट लेना कोई ऐसी चीज नहीं कि यूं ही हो जाती है। एक्सपर्ट कहते हैं कि ये खेल साझेदारी का है। हर बार जब कोई गेंदबाज विकेट लेता है तो उससे पहला ओवर अच्छा फेंका गया होता है। अश्विन ने अफगानिस्तान के खिलाफ मैच में अपने कोटे के 4 ओवरों में 12 रन देकर 2 विकेट लिए। उन्हें वरुण चक्रवर्ती की जगह टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था।

राहुल द्रविड़ के भारतीय टीम के हेड कोच बनने पर सुनील गावस्कर ने दिया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर का मानना है कि नए हेड कोच राहुल द्रविड़ के साथ भारतीय क्रिकेट प्रगति करेगा क्योंकि वह अपने साथ अपार अनुभव ही नहीं बल्कि अपने खेलने के दिनों वाली काम करने की वह शैली भी लेकर आएंगे। पूर्व कप्तान द्रविड़ को बुधवार को ही भारतीय क्रिकेट टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। सुलक्षणा नाइक और आरपी सिंह की क्रिकेट सलाहकार समिति ने सर्वसम्मति से द्रविड़ को टीम इंडिया (सीनियर मेंस क्रिकेट टीम) का मुख्य कोच नियुक्त

किया। भारत के पूर्व कप्तान द्रविड़ न्यूजीलैंड के खिलाफ 17 नवंबर से शुरू होने वाली घरेलू सीरीज से अपना कार्यभार संभालेंगे। द्रविड़ अब रवि शास्त्री की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल टी20 विश्व कप के बाद खत्म हो रहा है। गावस्कर ने 'इंडिया टुडे' से कहा, 'भारतीय क्रिकेट आगे ही आगे जाएगा। वह अपने साथ अपार अनुभव और वह कार्यशैली लेकर आयेंगे जो अपने खेलने के दिनों में उन्होंने अपनाई थी।'

भारत को टी20 विश्व कप में स्कॉटलैंड और नामीबिया के खिलाफ अगले दोनों मैच जीतने के अलावा बाकी टीमों के मैचों के नतीजे भी अनुकूल रहने की उम्मीद करनी होगी। गावस्कर ने कहा, 'इस टूनार्मेंट के बाद आपके पास एक नया कोच होगा और जितनी जल्दी उसकी नियुक्ति हो जाए, उतना अच्छा है क्योंकि उसके पास रणनीति बनाने का समय होगा। भारत को अभी दो मैच और खेलने हैं और उन्हें देखकर द्रविड़ को आगे की रणनीति तय करने में मदद मिलेगी।'

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड टीम का ऐलान, इन खिलाड़ियों को मिली जगह

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने भारत दौरे पर होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है। टीम ने स्पिन विभाग को मजबूत करते हुए पांच स्पिनरों को टीम में शामिल किया है। कीवी टीम भारत दौरे पर 17, 19 और 21 नवंबर को तीन मैचों की टी-20 सीरीज खेलेगी। इसके बाद मेहमान टीम को दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेलनी है। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पहला टेस्ट कानपुर में 25 से 29 नवंबर जबकि दूसरा टेस्ट मुंबई में 3 से 7 दिसंबर तक खेला जाएगा। टीम में स्पिनर एजाज पटेल, विल सोमरविले और मिशेल सैंटनर के अलावा युवा स्टार रचिन रवींद्र और ग्लेन फिलिप्स को शामिल किया गया है। ट्रेंट बोल्ट और कॉलिन डी ग्रैंडहोम ने खुद को उपलब्ध नहीं बताया है।

15 सदस्यीय टीम की घोषणा होने के बाद न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने कहा, 'ट्रेंट ने पहले ही इस साल 60 दिनों से ज्यादा आइसोलेशन में बिताया है। दोनों खिलाड़ियों से बात करने से यह स्पष्ट था कि उनके लिए सबसे अच्छा विकल्प इस टेस्ट दौरे से बाहर रहना था और उनके लिए न्यूजीलैंड की गर्मियों में सीरीज के लिए तैयार होने पर ध्यान केंद्रित करना था।'

21 साल के रवींद्र ने सितंबर में बांग्लादेश के खिलाफ टी20 से न्यूजीलैंड के लिए डेब्यू किया था। हालांकि उन्होंने इस साल की शुरूआत में टेस्ट टीम के साथ इंग्लैंड का दौरा किया था, लेकिन उन्होंने अब तक टेस्ट में डेब्यू नहीं किया है। पटेल और सोमरविले स्पिन आक्रमण का नेतृत्व करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने 2018 में अबुधाबी में पाकिस्तान के खिलाफ और 2019 में गॉल और कोलंबो में श्रीलंका के खिलाफ एकसाथ 28 विकेट लिए थे। भारत के साथ सीरीज में टॉम ब्लंडेल विकेटकीपर के रूप में खेलेंगे। भारत दौरे के लिए न्यूजीलैंड की 15 सदस्यीय टीमः केन विलियमसन (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवन कॉन्वे, काइल जैमीसन, टॉम लाथम, हेनरी निकोल्स, एजाज पटेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, मिशेल सेंटनर, विल सोमरविले, टिम साउदी, रॉस टेलर, विल यंग, नील वेगनर।

एडम जम्पा का 'पंजा', ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश को 8 विकेट से पीटा

दुबई (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने आईसीसी टी20 विश्व कप 2021 के ग्रुप 1 मैच में बांग्लादेश को 8 विकेट से करारी शिकस्त दी है। ऑस्ट्रेलिया ने दुबई इंटरनेशनल स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में एडम जम्पा के करियर की बेस्ट गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश को 15 ओवर में 73 रन पर ढेर कर दिया और फिर 6.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से कप्तान एरॉन फिंच ने सर्वाधिक 40 रन बनाए। ऑस्ट्रेलिया की चार मैचों में यह तीसरी जीत है और अब उसके छह अंक हो गए हैं। इस ग्रुप में दक्षिण अफ्रीका के भी छह अंक है। इस जीत से ऑस्ट्रेलिया के नेट रन रेट में भी काफी सुधार हुआ है और वह दूसरे नंबर पर पहुंच गई है।

यूपी की पिछली सरकारों ने पैसा कब्रिस्तान पर खर्च किया, भाजपा इससे मंदिरों का उन्नयन कर रही : योगी आदित्यनाथ

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि पहले प्रदेश का पैसा कब्रिस्तान के लिए जमीन खरीदने में उपयोग किया जाता था, लेकिन भारतीय जनता पार्टी के शासन के तहत मंदिरों के उन्नयन के लिए उस पैसे का उपयोग किया जा रहा है। दीपोत्सव समारोह के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राम कथा पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के लाभार्थियों को अगले साल होली तक मुफ्त राशन मिलना जारी रहने की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि कोविड महामारी के दौरान गरीबों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराने वाली यह

योजना इस साल नवंबर में समाप्त होने वाली थी लेकिन उनकी सरकार ने इस योजना को अगले साल होली (मार्च) तक बढ़ाए जाने का निर्णय लिया है क्योंकि महामारी अभी खत्म नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इस योजना के तहत लाभार्थियों को गेहूं और चावल के साथ नमक, चीनी, दाल और तेल भी मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस योजना को अगले साल मार्च तक विस्तारित करने से प्रदेश के 15 करोड़ लोगों को लाभ होगा।

उन्होंने 661 करोड़ रुपये की लागत वाली 50 विभिन्न परियोजनाओं की भी शुरूआत की। उत्तर प्रदेश में अगले साल की शुरूआत में विधानसभा चुनाव होने हैं। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ह्यह्यपहले प्रदेश का पैसा कब्रिस्तान की चहारदीवारी पर खर्च होता था, आज मंदिरों के पुनर्निमाण पर खर्च हो रहा है।

उन्होंने कहा, ह्यह्ययही अंतर है सोच का। जिन्हें कब्रिस्तान प्यारा था, वो जनता का पैसा वहीं लगाते थे, जिनको धर्म और संस्कृति प्यारी है, वो उनके उत्थान, उन्नयन के लिए उस पैसे का उपयोग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण जारी है और उत्तर प्रदेश में 500 मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थलों के उन्नयन के लिए केंद्र सरकार द्वारा विभिन्न परियोजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इनमें से 300 से अधिक स्थलों का कार्य पूरा हो चुका है और बाकी जगहों का काम अगले दो महीने में पूरा किया जाएगा। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का जिक्र करते हुए आदित्यनाथ ने राज्य की पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधा और कहा कि 30 साल पहले श्री राम का नारा लगाना अपराध माना जाता था। उन्होंने अयोध्या में कार सेवकों पर गोलीबारी का संभवतः संदर्भ देते हुए कहा, ह्यह्यजो लोग आप पर 30 साल पहले गोली चलवाते थे वे आज आपकी ताकत के आगे शीश झुका रहे हैं। आदित्यनाथ ने कहा, ह्यह्यदुनिया की कोई भी ताकत (राम)मंदिर के निर्माण को नहीं रोक सकती और यह 2023 तक पूरा हो जाएगा। सूर्यास्त के बाद, अयोध्या नगरी 12 लाख दीयों के प्रकाश से जगमग हो गई। इन 12 लाख दीयों में नौ लाख दीये सरयू नदी के तट पर जलाये गये।

दवालीः दिल्ली की वायु गुणवत्ता गंभीर श्रेणी में पहुंचने की कगार पर

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली के दिन बृहस्पतिवार को दिल्ली के प्रदूषण स्तर में पराली जलाने का योगदान बढ़कर 25 प्रतिशत हो गया जो इस मौसम का अब तक का सर्वाधिक स्तर है। अधिकारियों का कहना है कि दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) मध्यरात्रि तक गंभीर की श्रेणी में पहुंच सकता है और पटाखे जलाए जाने की सूरत में शुक्रवार सुबह तक प्रदूषण का स्तर और अधिक बढ़ने की आशंका है। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की वायु गुणवत्ता पूवार्नुमान एजेंसी ह्यसफर के संस्थापक परियोजना निदेशक गुफरान बेग ने कहा कि पिछले साल की तुलना में 50 प्रतिशत पटाखे जलाए जाने पर दिल्ली के पीएम 2.5 प्रदूषण का स्तर मध्यरात्रि तक गंभीर की श्रेणी में पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि शुक्रवार सुबह तक पीएम 2.5 प्रदूषण के स्तर में तेज वृद्धि दर्ज की जा सकती है और एक्यूआई 500 के स्तर को पार कर सकता है।

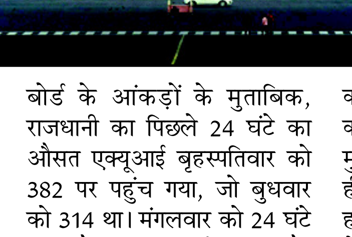

वहीं, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी का पिछले 24 घंटे का औसत एक्यूआई बृहस्पतिवार को 382 पर पहुंच गया, जो बुधवार को 314 था। मंगलवार को 24 घंटे का औसत एक्यूआई 303 और सोमवार को 281 था। शून्य और 50 के बीच एक्यूआई को अच्छा , 51 और 100 के बीच संतोषजनक , 101 और 200 के बीच मध्यम , 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बहुत खराब , तथा 401 और 500 के बीच को गंभीर माना जाता है। ह्यसफर के पूवार्नुमान के मुताबिक, शुक्रवार को दिल्ली के प्रदूषण स्तर में पराली जलाने का योगदान बढ़कर 35 प्रतिशत और शनिवार को 40 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। उत्तर-पश्चिम हवाएं पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने के कारण उठने वाले धुएं को दिल्ली की तरफ ला सकती हैं। सफर के मुताबिक, सात नवंबर की शाम तक ही कुछ राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, एक्यूआई बेहद खराब की श्रेणी में रहने की आशंका है।

दो साल बाद दीपावली पर बीएसएफ ने पाकिस्तानी रेंजर्स को भेंट की मिठाई

नई दिल्ली(एजेंसी)। दीपावली त्योहार के अवसर पर भारत-पाकिस्तान इंटरनेशनल बॉर्डर पर सीमा सुरक्षा बल (इरऋ) और पाक रेंजर्स के बीच मिठाइयों का आदान-प्रदान हुआ। पंजाब में अटारी-वाघा सीमा पर बीएसएफ और पाकिस्तान रेंजर्स ने मिठाइयों का आदान-प्रदान किए। इसके अलावा राजस्थान के जैसलमेर जिले में सरहदी सीमा चौकियों पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पाकिस्तान रेंजर्स को मिठाई भेंट की गईं। जैसलमेर से लगती पश्चिमी सरहद स्थित मुनाबाव, एसकेटी, गजेवाला, रोहिडेवाला, बबलियान वाला सादेवाला एवं धनाना, एरिया सहित जिले की कई बीएसएफ पोस्टों से गुरुवार को बीएसएफ के जवानों ने पाकिस्तान रेंजर्स को दीपावली की मिठाई भेंट की। इस अवसर पर पाकिस्तान रेंजर्स ने भी मिठाई भेंट करते हुए दीपावली की शुभकामनाएं दी।

उल्लेखनीय है कि पुलवामा हमले के बाद और कोरोना की वजह से पिछले दो साल से मिठाई का आदान प्रदान नहीं हो पाया था। गुजरात से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा और पड़ोसी राज्य राजस्थान के बाडमेर जिले में पाकिस्तान से लगती सीमा पर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पाकिस्तान रेंजर्स ने बृहस्पतिवार को एक दूसरे के साथ मिठाइयों का आदान-प्रदान किया औरदिवाली की बधाई दी। बीएसएफ गुजरात फ्रंटियर की ओर से मिली जानकारी और जारी तस्वीरों के मुताबिक बीएसएफ के जवानों और पाकिस्तान रेंजर्स ने सीमा के विभिन्न स्थानों पर मिठाई का आदान-प्रदान किया। इसके अलावा अगरतला में जीरो लाइन रेखा पर बीएसएफ ने बांग्लादेश की सेना के अधिकारियों को मिठाई भेंट की। बल ने कहा, 'राष्ट्रीय महात्व के त्योहारों पर इस तरह मिठाई के आदान-प्रदान और शुभकामनाएं देने से आपसी सहौर्द्र, भाईचारा बढ़ता है और इसके साथ ही सीमा के दोनों ओर तैनात बलों के बीच शांतिपूर्ण माहौल बनता है।'

नौशेरा में पीएम मोदी : जवानों का बढ़ाया हौसला, सर्जिकल स्ट्राइल की दिलाई याद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने दिवाली के अवसर पर जम्मू कश्मीर में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में सैनिकों को संबोधित करते हुए 2016 में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार आतंकी ठिकानों पर ह्यसर्जिकल स्ट्राइक में ब्रिगेड द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की। नौशेरा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीमा पर आधुनिक बुनियादी ढांचे से देश की सैन्य क्षमताओं में वृद्धि होने पर जोर देते हुए बृहस्पतिवार को कहा कि पहले के समय के विपरीत, लद्दाख से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक और जैसलमेर से लेकर अंडमान निकोबार द्वीप समूह तक सीमावर्ती और तटीय क्षेत्रों में सम्पर्क स्थापित किया गया है। मोदी ने दिवाली के अवसर पर जम्मू कश्मीर में राजौरी जिले के नौशेरा सेक्टर में सैनिकों को संबोधित करते हुए 2016 में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार आतंकी ठिकानों पर ह्यसर्जिकल स्ट्राइक में ब्रिगेड द्वारा निभाई गई भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि भले ही हमलों के बाद

क्षेत्र में शांति भंग करने के लिए अनगिनत प्रयास किए गए हों, लेकिन हर बार आतंकवाद का मुंहतोड़ जवाब दिया गया। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत को बदलती दुनिया और युद्ध के बदलते तरीकों के अनुरूप अपनी सैन्य क्षमताएं विकसित करनी होंगी। उन्होंने कहा कि सम्पर्क बढ़ाने और सैनिकों की तैनाती के लिए सीमा पर आधुनिक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया गया है।

सैनिकों की वीरता की सराहना करते हुए, मोदी ने कहा कि वे मां भारती के सुरक्षा कवच हैं और उनकी वजह से ही देश के लोग चैन की नींद सो पाते हैं और त्योहारों के दौरान खुशी होती है। मोदी ने 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक में यहां ब्रिगेड की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उनकी भूमिका देश के लोगों को गर्व से भर देती है। मोदी ने कहा, ह्यह्यमैं उस दिन को हमेशा याद रखूंगा क्योंकि यह तय किया गया था कि सभी सैनिक सूर्योदय से पहले लौट आएंगे और मैं यह जानने के लिए उत्सुकता से इंतजार कर रहा था कि क्या मेरे सभी जवान वापस आ गए हैं। किसी के हताहत हुए बिना, सभी जांबाज अपने काम को पूरा कर लौट आए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक के बाद क्षेत्र में शांति भंग करने के लिए अनगिनत प्रयास किए गए और ऐसे प्रयास अब भी किए जा रहे हैं, लेकिन हर बार आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया गया है। भारत ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में एक सैन्य अड्डे पर आतंकवादी हमले के जवाब में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पार 29 सितंबर, 2016 को आतंकवादी ठिकानों पर सर्जिकल हमला किया था। मोदी ने कहा कि देश की आजादी की रक्षा की जिम्मेदारी सभी की है और आज का भारत आजादी के अमृत काल में अपनी क्षमताओं और संसाधनों से अवगत है। उन्होंने रक्षा संसाधनों में बढ़ती आत्मनिर्भरता के महत्व को भी रेखांकित किया, जो पहले विदेशों पर निर्भरता की अवधि और रक्षा खरीद के लिए लगने वाले लंबे समय के विपरीत है।

उपचुनाव में बीजेपी को मिली मिली हार के कारण घटाए गए पेट्रोल-डीजल पर वैट: चिदंबरम

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम ने कहा कि हाल ही में संपन्न हुए उपचुनावों के परिणामों को पेट्रोल-डीजल की घटी कीमतों का कारण बताया है। आपको बता दें कि कल केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर 5 रुपए और डीजल पर 10 रुपए वैट की कमी की है। इसके बाद राज्यों ने भी अपने हिस्से के करों को घटाने का ऐलान किया है। चिदंबरम ने कहा कि सरकार का कदम कांग्रेस के इस आरोप की पुष्टि है कि ईंधन की कीमतें मुख्य रूप से उच्च करों के कारण अधिक थीं। उन्होंने कहा, ₹हमारा आरोप है कि उच्च ईंधन कर केंद्र सरकार के लालच के कारण है। पूर्व वित्त मंत्री ने ट्विटर पर लिखा, ₹30 विधानसभा और 3 लोकसभा उपचुनावों के नतीजों के कारण ही केंद्र सरकार ने टैक्स की कटौती की है। केंद्र यह हमारे आरोप की पुष्टि है कि ईंधन की कीमतें मुख्य रूप से उच्च करों के कारण अधिक हैं। भाजपा और उसके सहयोगियों ने 30 अक्टूबर को हुए मतदान में हुई 29 विधानसभा सीटों में से 14 पर जीत हासिल की और जिसके परिणाम मंगलवार को घोषित किए गए।

भारत की ताकत में और इजाफा, डीआरडीओ व वायुसेना ने 'एंटी-एयरफील्ड' हथियार का सफल परीक्षण किया

नई दिल्ली(एजेंसी)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना ने स्वदेश में विकसित स्मार्ट 'एंटी-एयरफील्ड' हथियार के राजस्थान के जैसलमेर में संयुक्त रूप से दो सफल परीक्षण किए हैं। रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के बयान में कहा गया है कि उपग्रह नौवहन और 'इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल सेंसर' पर आधारित दो अलग-अलग संस्करणों (एंटी-एयरफील्ड' हथियार के) का सफलतापूर्वक परीक्षण किया गया है। इसमें उल्लेख किया गया है कि इस वर्ग के बम का 'इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल' आधारित परीक्षण देश में पहली बार किया गया है। 'इलेक्ट्रो-ऑप्टिक सेंसर' को स्वदेश में विकसित किया गया है। मंत्रालय ने कहा, 'भारतीय वायुसेना के एक विमान से 28 अक्टूबर और तीन नवंबर को राजस्थान के जैसलमेर में चंदन रेंज से इस हथियार का प्रक्षेपण किया गया।' बयान के अनुसार दोनों परीक्षणों में, उच्च सटीकता के साथ लक्ष्य को निशाना बनाया गया। इसमें

कहा गया है कि प्रणाली (हथियार) को अधिकतम 100 किलोमीटर की दूरी के लिए तैयार किया गया है। इससे पहले 29 अक्टूबर को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायुसेना ने शुक्रवार को संयुक्त रूप से ओडिशा में लंबी दूरी तक मार करने में सक्षम बम (एलआरबी) का सफल परीक्षण किया था। एलआरबी भारत का पहला लंबी दूरी वाला एक टन क्षमता का बम है। इसका मतलब एलआरबी 1000 किलोग्राम का वारहेड ले जा सकता है। वहीं एलआरबी 100 किमी दूर तक का लक्ष्य भेद सकता है। शुक्रवार को परीक्षण के दौरान भारतीय वायु सेना और डीआरडीओ ने ओडिशा के बालासोर में सुखोई -30 लड़ाकू जेट से 10 किलोमीटर की ऊंचाई दागा।

चिंताजनक: दुनिया में तीन दशक के अंदर एक अरब एकड़ वन का हुआ अंत

नई दिल्ली(एजेंसी)। ग्लास्गो में कॉर- 26 जलवायु शिखर सम्मेलन में भले ही सौ देशों ने 2030 तक वनों की कटाई पर रोक लगाने पर अपनी सहमति जताई है, पर मौजूदा स्थिति चिंताजनक है। तमाम नियम कानूनों के बाद भी वनों की कटाई तेजी से चल रही है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि 1990 के बाद से 420 मिलियन हेक्टेयर (एक अरब एकड़) जंगल नष्ट हो गए हैं। इसका मुख्य कारण कृषि है। ऐसा भी नहीं है वनों को बचाने के प्रयास पहले भी होते रहे हैं। 2014 में संयुक्त राष्ट्र ने 2020 तक वनों की कटाई को आधा करने और 2030 तक इसे समाप्त करने के लिए एक समझौते की घोषणा की। फिर, 2017 में इसने 2030 तक दुनिया भर में वनाच्छादित भूमि को 3% बढ़ाने का एक और लक्ष्य निर्धारित किया। लेकिन वनों की कटाई ह्यएक खतरनाक दरह्ल पर जारी रही, 2019 की एक रिपोर्ट के अनुसार, ब्राजील, कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य और इंडोनेशिया सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों में से हैं। जहां वनों की कटाई लगातार जारी है। आईए जानते हैं कि दुनिया में कितना घटा गया वन क्षेत्र। वनों की कटाई का सबसे बड़ा कारण कृषि विस्तार है। खाद्य अनाज की बढ़ती मांग तथा सोयाबीन और पाम तेल जैसी वस्तुओं की वजह से वनों की कटाई खतरनाक दर पर बढ़ रही है। एक अनुमान के अनुसार कृषि और लकड़ी की मांगों को पूरा करने के लिए 40% से अधिक जंगल पूरी दुनिया में साफ हो चुके हैं। पाम तेल के बागान जैसे वाणिज्यिक फसलों को बढ़ावा देने के लिए वन क्षेत्र का सफाया किया जा रहा है। वनों की कटाई इसलिए होती है क्योंकि वन भूमि आर्थिक रूप से काम करने योग्य नहीं होती है।

दिल्ली-एनसीआर में दिवाली की धूम, नोएडा से लेकर चांदनी चौक तक...रोशनी से नहाये शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले साल कोरोना के कारण दीपावली की खुशियां भी क्वारंटाइन हो गई थीं। न वो उल्लास ही था और न ही जोश। बीमारी के डर के बीच लोगों ने दीपावली पर सिर्फ खानापूरी की थी। इस साल लोगों ने राहत की सांस ली ली तो दीपावली पर उसका उत्साह भी दिखाई दिया है। बाजारों से लेकर घर तक जगमगा उठे हैं। गांव से लेकर शहर तक लोगों में दीप उत्सव का उत्साह देखने को मिल रहा है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, नई दिल्ली, पुरानी दिल्ली समेत सभी शहरों में शाम ढलते ही जगमग दीपों की रोशनी नजर आई। रंग बिरंगी लड़ियां लोगों के घरों पर रोशन हो गईं। दुगार्पूजा के बाद पुलिस की चुनौती दिवाली और काली पूजा पर शांति बनाए रखने की है। दोनों त्योहरों के मद्देनजर पुलिस ने सभी शहरों में चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए हैं, जो सांप्रदायिक दृष्टिकोण ने संवेदनशील माने जाते हैं। पुलिस मुख्यालय ने इन जिलों में विशेष सतर्कता बरतने को कहा है। इसके अतिरिक्त त्योहारों के मद्देनजर कई अन्य दिशा-निर्देश जिलों के एसएसपी और एसपी को दिए गए हैं।

पुलिस मुख्यालय ने जिलों के एसएसपी और एसपी को दिए निर्देश में दिवाली पर अग्निशमन दल को मुस्तैद रखने को कहा है ताकि पटाखों या शॉर्ट सर्किट के कारण अगलगी की घटनाओं से निपटने में देर न हो। पुलिस मुख्यालय ने वैसे इलाके जहां पर्व-त्योहार पर पूर्व में सांप्रदायिक तनाव की घटनाएं हुई हैं वहां विशेष प्रशासनिक सतर्कता बरतने के भी आदेश दिए हैं।

यूरोप और मध्य एशिया के 53 देशों में खतरे की घंटी, डब्लूएचओ ने कोविड की नई लहर की आशंका जताई

जिनेवा(एजेंसी)। यूरोप और मध्य एशिया के 53 देशों के क्षेत्र में कोरोना वायरस की एक और लहर आने का खतरा है या वे पहले से ही महामारी की नई लहर का सामना कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (हल्ड) के क्षेत्रीय कार्यालय के प्रमुख डॉ हैन्स क्लूज ने गुरुवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि मामलों की संख्या फिर से करीब करीब रिकॉर्ड स्तर तक बढ़ने लगी है और क्षेत्र में प्रसार की रफ्तार 'गंभीर चिंता' का विषय है।

उन्होंने डेनमार्क के कोपनहेगन में संगठन के यूरोप मुख्यालय में पत्रकारों से कहा, 'हम महामारी के उभार को लेकर एक अहम मोड़ पर खड़े हैं।' उन्होंने कहा, 'यूरोप फिर से महामारी के केंद्र में हैं जहां हम एक साल पहले थे।' डॉ क्लेज ने कहा कि इसमें फर्क यह है कि स्वास्थ्य अधिकारियों

को वायरस के बारे में ज्यादा जानकारी है और उनके पास इसस मुकाबला करने के लिए बेहतर उपकरण हैं।

उन्होंने कहा कि वायरस के फैलाव को रोकने वाले उपायों और कुछ क्षेत्रों में टीकाकरण की कम दर बताती है कि मामले क्यों बढ़ रहे हैं। डॉ क्लेज ने कहा कि पिछले एक हफ्ते में 53 देशों के क्षेत्र में कोविड के कारण लोगों के अस्पताल में भर्ती होने की दर दोगुनी से ज्यादा बढ़ी है।

उन्होंने कहा कि अगर यह स्थिति जारी रहती है तो क्षेत्र में फरवरी तक पांच लाख और लोगों की महामारी के कारण मौत हो सकती है। संगठन के यूरोप कार्यालय ने कहा कि क्षेत्र में साप्ताहिक मामले करीब 18 लाख आए हैं जो पिछले हफ्ते की तुलना में छह प्रतिशत अधिक हैं जबकि साप्ताहिक तौर पर 24,000 मौतें हुई जिसमें 12 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

दिवाली पर पहली बार जगमगाया न्यूयार्क का वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दीपावली की धूम भारत के साथ-साथ विदेशों में भी देखने को मिली है। न्यूयॉर्क में वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर को पहली बार दिवाली थीम वाले एनिमेशन से सजाया गया है। इसके साथ-साथ आतिशबाजी भी कई है। वन वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर एनिमेशन को देखने के लिए लोग हडसन नदीं के दोनों किनारों पर फोटो लेते हुए नजर आए।

एनिमेशन 2 नवंबर को शाम 6 बजे (स्थानीय समयानुसार) लाइव हुआ और 4 नवंबर तक जारी रहा। दिवाली की थीम में सजे वर्ल्ड ट्रेड सेंटर की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिसमें आप देख सकते हैं किस तरह से वहां आतिशबाजी की गई है। डर्स्ट ऑर्गनाइजेशन के मार्क डोमिनोज ने कहा, ₹हम शांति, सद्भाव और एकता के संदेश लाने के लिए डब्ल्यूटीसी मंच पर दिवाली की रंगीन इमेजरी बनाने और सजाने करने के लिए उत्साहित हैं।₹बता दें कि देशभर में आज दीपावली का त्योहार बहुत ही धूम-धाम से मनाया जा रहा है।

चीन के हमारे साथ रवैये से सब चेतें : लिथुआनिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। लिथुआनिया का कहना है कि चीन उसके साथ जैसा व्यवहार कर रहा है, उससे पूरे यूरोप को चेत जाना चाहिए. लिथुआनिया के विदेश मंत्री ने कहा है कि यूरोपीय संघ को चीन के साथ संबंधों पर विचार करना होगा.लिथुआनिया ने कहा है कि चीन का उसके साथ व्यवहार एक चेतावनी है कि यूरोपीय संघ को बीजिंग के साथ संबंधों पर फैसला करना चाहिए. बुधवार, 3 नवंबर को यूरोपीय देश लिथुआनिया के विदेश मंत्री ने यूरोपीय संघ को चेताते हुए कहा कि चीन के साथ संबंधों को लेकर एकता दिखाए. अगस्त में चीन ने लिथुआनिया से अपना राजदूत

वापस बुलाने को कहा था क्योंकि लिथुआनिया ने ताइवान के पक्ष में एक निर्णय किया था. ताइवान ने फैसला किया है कि लिथुआनिया की राजधानी विलनियस में उसका दफ्तर अब ह्यलिथुआनिया में ताइवानी प्रतिनिधि का कार्यालय' कहलाएगा.करीब 30 लाख लोगों के इस देश ने इसी साल चीन और कुछ अन्य यूरोपीय देशों के बीच हो रही '17+1' वार्ता से भी अपने आपको अलग कर लिया था. अमेरिका इस वार्ता को चीन की यूरोपीय कूटनीति को बांटने की कोशिश के तौर पर देखता है. लेकिन लिथुआनिया के इन कदमों का असर व्यापारिक संबंधों पर पड़ा है और उसकी अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है।

अंखड भारत संदेश के लिए स्वामी श्री योगी सत्यम क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज 211019 से प्रकाशित एवं रामा प्रिंटिग प्रेस 53/25/1ए बेली रोड नया कटरा प्रयागराज से मुद्रित।

मुद्रक/प्रकाशक

स्वामी श्री योगी सत्यम पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत समाचारों के चयन के लिए उत्तरदायी। इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों से संबंधित विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा। आरएनआई नं. UPHIN 2001/9025